जीवन दर्शन

दुसरे के दोष पर ध्यान देते समय हम स्वयं बहुत भले बन जाते हैं। परंतु जब हम अपने दोषों पर ध्यान देंगे। तो अपने आपको कुटिल और कामी पाएँगे - महात्मा गांधी

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

शुक्रवार 11 अप्रैल, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 59 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

धोनी सीएसके के कप्तान होंगेः गायकवाड इंजरी के कारण...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

पश्चिम बंगाल में नौकरी गंवाने वाले शिक्षक भूख हड़ताल पर, प्रदर्शन जारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ ने गुरुवार को उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई के विरोध में भूख हड़ताल करने का ऐलान किया। टीचर्स बुधवार रात से ही पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन (डब्ल्यूबीएसएससी) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहें है। इससे पहले टीचर्स ने डिस्ट्रिक्ट इंसपेक्टर (डीआई) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था। जहां प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठीचार्ज और लात-घूसों से पीटने का आरोप लगाया था। इधर, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 8 अप्रैल को 25 हजार 753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति रद्द करने के मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी। इसमें उन्होंने राष्ट्रपति से मांग की है कि जो लोग निर्दोष हैं, उन्हें नौकरी में बने रहने देना चाहिए।

जेलेंस्की का दावा- रूस के लिए चीनी जंग लड़ रहे:यूक्रेन में 155 की पहचान हुई

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि उनकी खुफिया एजेंसी ने 155 चीनी नागरिकों की पहचान की है जो रूस की तरफ से जंग लड़ रहे हैं। यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि पहचान में आए सभी लोगों के नाम और पासपोर्ट की जानकारी उनके पास है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस सोशल मीडिया के जरिए चीनी नागरिकों की भर्ती कर रहा है। चीन को भी इस बात की जानकारी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन यह जानने की कोशिश कर रहा है कि भर्ती करने वालों को बीजिंग की तरफ से निर्देश मिल रहे हैं या नहीं। इससे पहले जेलेंस्की ने मंगलवार को दावा किया था कि यूक्रेनी सेना ने रूस की तरफ से जंग लड़ रहे 2 चीनी नागरिकों को पकड़ा है।

मणिपुरः जोमी और हमार समुदाय के बीच तनाव

इंफाल/चुराचांदपुर। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के कुछ हिस्सों में दो अलग-अलग जनजातियों के गांवों के बीच एक विवादित क्षेत्र में सामुदायिक झंडे फहराने को लेकर तनाव के मद्देनजर कर्फ्यू लगा दिया गया है. यह जानकारी एक अधिसूचना में दी गई है. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक चुराचांदपुर उप-मंडल के वी मुनहोइह और रेंगकाई गांवों के बीच ववादित क्षेत्र में सामुदायिक झंडे फहराए जाने के बाद मंगलवार को जोमी और हमार जनजातियों के बीच तनाव पैदा हो गया। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, चुराचांदपुर के जिला मजिस्ट्रेट धरुण कुमार ने दो गांवों और जिले के पूरे कांगवई, समुलामलान और संगाईकोट उप-मंडलों में कर्फ्यू लगा दिया।

राणा को 18 दिन की एनआईए कस्टडी एजेंसी ने 20 दिन की रिमांड मांगी थी

नई दिल्ली ■

2008 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 18 दिन की एनआईए की कस्टडी में भेजा है। एजेंसी ने कोर्ट से 20 दिन की रिमांड मांगी थी। स्पेशल एनआईए जज चंद्रजीत सिंह ने बंद कमरे में मामले की सुनवाई की और गुरुवार देर रात 2 बजे फैसला सुनाया।

64 साल के तहव्वुर राणा को कल अमेरिका से भारत लाया गया था। गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे राणा को लेकर अमेरिकी गल्फस्ट्रीम G550 विमान दिल्ली के पालम टेक्निकल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ था। जहां उसका मेडिकल चेकअप

हुआ, इसके बाद उसे सीधे एनआईए हेडक्वार्टर ले जाया गया था। भारत पहुंचने के बाद राणा की पहली तस्वीर भी सामने आई, जिसमें नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) के अधिकारी उसे पकड़े नजर आए। राणा को दिल्ली की तिहाड़ जेल में हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा। हालांकि राणा को कब और किस वार्ड में रखा जाएगा, इसका अंतिम फैसला कोर्ट के आदेश के बाद ही होगा। जांच एजेंसी एनआईए और खुफिया एजेंसी RAW की एक जॉइंट टीम बुधवार को राणा को लेकर अमेरिका से रवाना हुई थी।

राणा के 14 दिन की कस्टडी की मांग की

मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के 14 दिन की रिमांड की मांग एनआईए की ओर से कोर्ट से की गई है। फिलहाल कोर्ट में बहस चल रही है। तहव्वुर राणा को कोर्ट के सामने पेश किया गया है। इस मामले में कोर्ट में बहस चल रही है। एनआईए की ओर से सीनियर वकील दयान कृष्णन ने अदालत के सामने राणा के खिलाफ सबूत पेश किए। एनआईए राणा की रिमांड की मांग कर रही है। मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के खिलाफ दिल्ली की पटियाला हाउस में सुनवाई पूरी हो चुकी है। एनआईए ने राणा की 20 दिन की कस्टडी की मांग की। थोड़ी देर में कोर्ट फैसला सुना सकती है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- पैक्ड फूड पर वार्निंग लेबल दिया जाए

केंद्र 3 महीने में लेबलिंग का नियम बनाएं कितना शुगर, हानिकारक फैट स्पष्ट लिखें

नई दिल्ली ■

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह तीन महीने के भीतर पैक्ड फूड पर चेतावनी वाली लेबलिंग को लेकर नए नियम बनाए। कोर्ट ने ये आदेश एक पीआईएल पर सुनवाई के दौरान दिया। इसमें मांग की गई थी कि हर पैक्ड खाने की चीज पर फ्रंट पर साफ चेतावनी दी जाए। इससे लोग यह जान सकें कि उस चीज में कितना शुगर, नमक या हानिकारक फैट है।

केंद्र सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि 14 हजार से ज्यादा सुझाव और रिपोर्ट्स इस मुद्दे पर आ चुकी हैं। इसके लिए एक

एक्सपर्ट कमेटी बनाई गई है जो इन सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी। कोर्ट ने आदेश दिया कि यह समिति जल्दी से जल्दी रिपोर्ट तैयार करे ताकि उसी आधार पर एफएसएसएआई लेबलिंग नियमों में संशोधन किया जा सके।

पैकेज्ड फूड पर लगे लेबल के दावे भ्रामक हो सकते हैं

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर के तहत हैदराबाद बेस्ड नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन (एनआईएन) ने भारतीयों के लिए डाइटरी गाइडलाइन जारी की है। एनआईएन ने कहा, 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) के सख्त मानदंड हैं, लेकिन लेबल पर दी गई जानकारी भ्रामक हो सकती है।' कुछ उदाहरण देते हुए एनआईएन ने कहा कि किसी फूड प्रोडक्ट को 'नेचुरल' कहा जा सकता है, यदि इसमें एडेड कलर्स, फ्लेवर्स और आर्टिफिशियल सब्सटेंसेस नहीं मिलाए गए हैं और यह मिनिमल प्रोसेसिंग से गुजरता है।

केरल में पॉक्सो केसों की जांच अब स्पेशल पुलिस करेगी

तिरुवनंतपुरम। केरल में बच्चों से यौन अपराध (पॉक्सो) के मामलों की जांच अब पुलिस की एक खास टीम करेगी। बुधवार को केरल सरकार की कैबिनेट ने इसके लिए एक डेडिकेटेड विंग बनाने की मंजूरी दे दी। इस स्पेशल यूनिट में कुल 304 नए पद तैयार होंगे। इनमें 4 डिप्टी एसपी और 40 सब-इंस्पेक्टर शामिल हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, ये टीम सिर्फ पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामलों की जांच करेगी। सरकार का मकसद इन मामलों में तेजी से और सही जांच करना है, ताकि पीड़ितों को जल्दी न्याय मिले। कैबिनेट ने अगले साल के लिए ड्राफ्ट लिकर पॉलिसी भी पास कर दी है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इंदौर को दी 2,000 करोड़ रु से अधिक की सौगात

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर अब लॉजिस्टिक्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक और बड़ी छलांग लगाने जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को इंदौर और आसपास के क्षेत्रों के लिए 2,000 करोड़ रु से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और भूमि पूजन किया।

इस दौरान गडकरी ने मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल लॉजिस्टिक्स हब तक पहुंचने वाली विशेष रेलवे लाइन का भूमि पूजन किया। यह लॉजिस्टिक्स हब, जो 1,100 करोड़ रु की लागत से इंदौर एयरपोर्ट के पास विकसित किया जा रहा है, इंदौर को भारत ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क से जोड़ने की

इंदौर से गुजरात कनेक्टिविटी हुई बेहतर और सुरक्षित

इंदौर से गुजरात की ओर जाने वाले मार्ग पर मछलियाघाट सहित कुल 6 फ्लायओवर और अंडरपास की परियोजनाओं का भूमि पूजन किया गया। इन सभी कार्यों की कुल लागत 217 करोड़ है। इनसे इंदौर और गुजरात के बीच आवागमन आसान होगा।

दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इंदौर को अब दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से सीधी कनेक्टिविटी मिल गई है। इस परियोजना के तहत इंदौर से गरोठ तक करीब 1,700 करोड़ रुपये की लागत से विकसित नई सड़क का लोकार्पण भी मंत्री गडकरी ने किया। सांसद शंकर लालवानी द्वारा इंदौर को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे जोड़ने की मांग लोकसभा में रखी थी और आज इंदौर को ये बड़ी सौगात मिली है। इस सड़क के चालू होने से इंदौर से गरोठ का सफर 5 घंटे से घटकर सिर्फ ढाई घंटे रह जाएगा, जिससे न केवल व्यापारिक परिवहन तेज होगा बल्कि आम लोगों की यात्रा भी सुगम बनेगी।

पीथमपुर, घाटा बिल्लौद, बेटमा और रसलपुर पर भी होंगे नए फ्लायओवर

इंदौर के आसपास के औद्योगिक और ग्रामीण क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए पीथमपुर, घाटा बिल्लौद, बेटमा और इंदौरझ्देवास मार्ग पर स्थित रसलपुर जंक्शन पर भी नए फ्लायओवर बनाए जाएंगे। इन सभी स्थलों पर मंत्री गडकरी ने भूमि पूजन किया। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि इंदौर अहमदाबाद रोड पर ट्रैफिक बढ़ रहा है और उसको देखते हुए कुछ स्थान पर जंक्शन पर ब्लैक स्पॉट निर्मित हो गए थे जहां लगातार हादसे हो रहे थे। इंदौर संसदीय क्षेत्र के देपालपुर विधानसभा में तीन स्थानों पर जो इंदौर अहमदाबाद हाईवे है उसके जंक्शन पर यह ब्लैक स्पॉट बने हुए है। इसलिए तीन जगहों घाटा बिल्लौद, बेटमा-सागौर कुटी एवं कलारिया-पीथमपुर चौराहे पर फ्लाईओवर बनाए जाएंगे जिसकी स्वीकृति मा.मंत्री जी ने दी थी और आज भूमिपूजन उन्होंने किया।

'तुम ही जिम्मेदार, खुद मुसीबत को बुलाया', रेप केस में पीड़िता से बोला इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज ■

रेप के एक मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पीड़िता को ही जिम्मेदार बताया है. कोर्ट ने आरोपी को जमानत भी दे दी. साथ ही कोर्ट ने कहा कि पीड़िता ने खुद मुसीबत को आमंत्रित किया. रेप का यह मामला सितंबर 2024 का है. गौतमबुद्ध नगर की एक यूनिवर्सिटी में पढाई करने वाली एमए की छात्रा ने रेप की शिकायत दर्ज कराई थी. लेकिन कोर्ट में पूरे मामले की जानकारी के बाद अदालत ने कहा पीड़िता खुद इसके लिए जिम्मेदार है. हाईकोर्ट ने इस मामले में आरोपी जमानत दे दी.

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने टिप्पणी करते हुए अपने आदेश में

कहा है कि पीड़िता ने खुद ही मुसीबत को आमंत्रित किया और वह इसके लिए खुद जिम्मेदार थी. रेप के आरोपी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में बीएनएसएस की धारा 483 के तहत अपने खिलाफ दर्ज रेप के मामले में जमानत आवेदन पत्र दाखिल किया था. आवेदक ने गौतमबुद्ध नगर के थाना सेक्टर-126 में अपने खिलाफ दर्ज बीएनएस की धारा 64 यानी रेप के मामले में मुकदमे के विचारण के दौरान तक जमानत पर रिहा करने की मांग कोर्ट से की थी.

डोमिनिकन रिपब्लिक के नाइटक्लब हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 184 पहुंचा

सेंटो डोमिंगो ■

डोमिनिकन रिपब्लिक की राजधानी, सेंटो डोमिंगो में एक नाइटक्लब की छत गिरने से मारे गए लोगों का आंकड़ा 184 हो गया है। इस हादसे में इस देश की कई प्रमुख हस्तियों ने अपनी जान गंवा दी है। 48 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है।

7 अप्रैल की रात 'जेट सेट नाइटक्लब' की छत गिरने से ये हादसा हुआ। इस दौरान वहां मशहूर सिंगर रबी पेरेज परफॉर्म कर रहे थे। सोशल मीडिया पर इस हादसे से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें परेज की परफार्मेंस के दौरान पहले

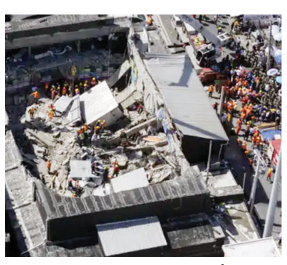

छत से धूल गिरने लगी, और फिर अचानक पूरी छत ढह गई। इस हादसे में सिंगर पेरेज की भी मौत हो गई है। उनका शव शुक्रवार सुबह बरामद हुआ। परेज के साथ सैक्सोफोन बजाने वाले लुइस सोलिस की भी मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 54 शवों की पहचान हो पाई है। इसमें मोंटेक्रिस्टी प्रांत की गवर्नर नेल्सी क्रूज का नाम भी है। नेल्सी क्रूज सात बार मेजर लीग बेसबॉल ऑल-स्टार रहे नेल्सन क्रूज की बहन भी हैं। नेल्सी ने हादसे के बाद मलबे में फंसे रहने के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को फोन कर सूचना दी थी। बाद में अस्पताल में उनकी मौत हो गई। इसके अलावा हादसे में बेसबॉल स्टार ऑक्टेवियो डोटेल की भी मौत हो गई है। डोटेल ने यॉर्क मेट्स और ह्यूस्टन एस्ट्रोस जैसी टीमों के खिलाफ खेला था। हादसे के बाद उन्हें मलबे से जिंदा निकाला गया था। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई है। उनके साथ एक और बेसबॉल खिलाड़ी टोनी एनरिक ब्लैंको कैबरेरा की मौत हो गई।

दिल्ली में लैंडिंग के बाद पायलट की मौत

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट की मंगलवार (9 अप्रैल) को दिल्ली में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। यह घटना इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुई, जब पायलट श्रीनगर-दिल्ली फ्लाइट की लैंडिंग के बाद एयरपोर्ट में अन्य फॉर्मेलिटीज कर रहा था। एयरलाइन के मुताबिक, लैंडिंग के बाद पायलट को परेशानी होना शुरू हो गई थी, थोड़ी देर बाद वह बेहोश होकर गिर गया। पायलट को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पायलट का नाम अरमान है। अरमान की उम्र 28 साल थी और हाल ही में उसकी शादी हुई थी।

यूपी-बिहार में आंधी और बिजली गिरने से 53 की मौत, चमोली के नंदप्रयाग में भारी बारिश

जयपुर, लखनऊ, भोपाल, पटना

भीषण गर्मी के बीच देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में मौसम बदला है। उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदप्रयाग में भारी बारिश हुई, साथ ही ओले गिरे। इससे बद्रीनाथ हाईवे पर ट्रैफिक रुका रहा। कर्नाटक में भी देर शाम तेज बारिश के साथ ओले गिरे। दिल्ली में भी धूल भरी आंधी चली।

उत्तर प्रदेश में गुरुवार को आंधी-तूफान और बिजली गिरने से 22 लोगों की मौत हो गई। मुरादाबाद में बिजली गिरने से पांच छात्र झुलस गए। इनमें दो की हालत गंभीर है। वहीं, बिहार में

बिजली गिरने से गुरुवार को 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि झारखंड में 3 लोग बुरी तरह झुलस गए। बिहार में पिछले 48 घंटे में 52 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें बिजली गिरने से 31 लोग जान गंवा चुके हैं। नालंदा जिले में पेड़ और दीवार गिरने से 21 लोगों की मौत हुई है। मौसम विज्ञान विभाग ने 20 से ज्यादा राज्यों में अगले 2 दिन आंधी-तूफान और बारिश की संभावना जताई है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में हीटवेव की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते राजस्थान के 16 जिलों में बारिश के आसार हैं।

व्यंग्य : कांग्रेस के अधिवेशन में भी मोदी का टेंशन : क्या करें..?

गुजरात में 1961 के 64 साल बाद देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन 8-9 अप्रैल को संपन्न तो गया और महात्मा गांधी नेहरू जी,सरदार पटेल आदि दिग्गज नेताओं को याद भी किया एवं बड़ी बड़ी बात के साथ ' न्याय पथ ' हेतु प्रस्ताव भी पारित हुए, लेकिन पूरे अधिवेशन में टेंशन का केंद्र बिंदु प्रधानमंत्री मोदी ही रहे और रहना भी थे, क्योंकि गुजरात में 30 साल से और केंद्र में 15 साल से उन्होंने ही कांग्रेस को खाली हाथ रखा है, इसके अलावा अन्य कई राज्य में सत्ता से बाहर कर दिया है..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

फिर मोदी सरकार से बैचेन कांग्रेस का अधिवेशन में टेंशन : कैसे हराएं..?

गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न हुआ. 64 साल बाद हुए इस अधिवेशन में 'न्याय-पथ' प्रस्ताव पारित किया गया. इसमें देश के तमाम मुद्दों पर कांग्रेस के संकल्प और मौजूदा केंद्र सरकार पर हमला बोला गया है. संविधान, महंगाई, बेरोजगारी, किसान, आर्थिक असमानता, ध्रुवीकरण, अमेरिकी टैरिफ जैसे मुद्दों को लेकर

बीजेपी को घेरा गया है यानी मोदी सरकार को हराना ही मंथन का मुख्य केंद्र बिंदु रहा और होना भी चाहिए, क्योंकि मोदी के कारण ही कांग्रेस गुजरात में 30 साल से सत्ता से बाहर है और केंद्र में मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन गए हैं. मोदी के खास सहयोगी अमित शाह तो 2029 व आगे की भविष्यवाणी भी कर चुके हैं कि कांग्रेस व अन्य नंबर नहीं लगने वाला है.खैर गुजरात के बाद मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली लगातार सभी राज्यों में जीत रही बीजेपी के लिए मोदी वरदान साबित हो रहे हैं तो कांग्रेस के लिए सत्ता की राह में बाधक बन रहे हैं.वैसे यह सही है कि गुजरात में कांग्रेस का एक दौर था और 1985 में कांग्रेस ने सबसे अधिक सीटें जीतने का रिकॉर्ड बनाया था. तब कांग्रेस ने 182 में से 149 सीटें जीत ली थीं, लेकिन 1995 में बीजेपी के तेजी से उभरने के बाद कांग्रेस धीरे-धीरे कमजोर होती गई और 1998 में कांग्रेस ने 53 सीटें, 2002 में 51, 2007 में 59 और 2012 में 61 ही सीटें जीतीं.मात्र एक नगरपालिका जीतने वाली कांग्रेस के बारे में राहुल गांधी बोले कि हम 2027 में जरूर जीतेंगे, लेकिन क्या ऐसे बोल से कि हम दलित, मुस्लिम में उलझे रहे और ओबीसी खो दिए. दलित, मुस्लिम की बात करने को उलझना कहने से क्या राहुल इस वर्ग की उपेक्षा नहीं कर रहे.. महात्मा गांधी, नेहरू व सरदार पटेल की बात करने के बावजूद हाथ क्या आना है इस बारे में गुजरात के ही जानकर कहते हैं कि कांग्रेस के लिए अब जनाधार बढ़ाना बहुत मुश्किल है.हिंदुत्व पर तेजी से आगे बढ़ी बीजेपी के मुकाबले में तुष्टिकरण नीति में भी कांग्रेस अब सफल नजर नहीं आ रही है. खैर कोशिश करना जरूरी है, अधिवेशन से इतना जरूर हुआ कि कार्यकर्त्ता उत्साहित हुए, लेकिन कड़ी मेहनत करना होगी, आरएसएस के माफिक घर घर जाना होगा, तो क्या कांग्रेस कार्यकर्त्ता इतनी मेहनत को तैयार रहेंगे,यह अहम सवाल है..?

मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे की बैंक एसोसिएशन को चिट्ठी

लिखा- मराठी में काम करने का निर्देश दें वरना हालात बिगड़ने पर बैंक जिम्मेदार होंगे

मुंबई ■

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने शीर्ष बैंक निकाय इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (क्ष्अ) को चिट्ठी लिखकर कहा है कि वह बैंकों को मराठी में काम करने निर्देश का दें। ऐसा न करने पर उनकी पार्टी अपना आंदोलन तेज करेगी।

मनसे नेताओं ने 9 अप्रैल को क्ष्अ अधिकारियों को यह चिट्ठी सौंपी। ठाकरे ने यह भी लिखा कि अगर बैंक अपनी सेवाओं में तीन भाषा फामूर्ले (अंग्रेजी, हिंदी और

स्थानीय भाषा यानी मराठी) का पालन नहीं करते तो हालात बिगड़ने पर बैंक खुद जिम्मेदार होंगे। चिट्ठी में में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने सरकारी और निजी बैंकों में स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल को लेकर सर्कुलर जारी किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने 5800 करोड़ रूपए लागत वाली 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

अगले तीन साल में म.प्र. का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा बनायेंगे : गडकरी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को धार जिले के बदनावर के ग्राम खेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में 5800 करोड़ रूपए की लागत वाली 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं एवं संबद्ध अधोसंरचना निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। यहां तेजी से विकास हो रहा है। सबको सुखी, समृद्ध और सशक्त बनाने का विजन लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव बड़ी तेजी से प्रदेश को विकास के पथ पर आगे ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजमार्ग सिर्फ एक मार्ग नहीं, यह जन-जन का जीवन बदलने वाले प्रगति पथ होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 10 सालों में हम देश की अधोसंरचना में व्यापक बदलाव लेकर आए हैं। देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है, इसमें मध्यप्रदेश की भागीदारी भी होगी। म.प्र. में विकास की ललक दिखाई देती है, इसलिए हम इसे देश के विकास का सबसे बड़ा अंशभागी राज्य बनायेंगे।
केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने घोषणा करते हुए कहा कि अगले तीन साल में हम मध्यप्रदेश में उपलब्ध राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को अमेरिका से अच्छा और सुंदर बनायेंगे। उन्होंने कहा कि अगले एक साल में हम देश में तीन लाख करोड़ रूपए से अधिक के

राष्ट्रीय राजमार्ग व अन्य अधोसंरचना निर्माण कार्य पूरे करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी देश-प्रदेश के विकास के लिए 4 प्रमुख संसाधनों जल, ऊर्जा, परिवहन और अधोसंरचनात्मक विकास की जरूरत होती है और उन्हें खुशी है कि मध्यप्रदेश इन चारों संसाधनों के विकास पर तेजी से बढ़ रहा है।

केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मांग पर की 6 नई परियोजनाएं मंजूर

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मांग पर मंच से ही केन्द्रीय सड़क निधि से 12 हजार करोड़ रूपए लागत से 400 कि.मी. लंबाई 6 नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण एवं विकास कार्यों को मंजूरी दी। केन्द्रीय मंत्री ने मध्यप्रदेश में 33 हजार करोड़ रूपए की लागत से एनएचएआई द्वारा निर्मित किए जाने वाले 5 नए ग्रीनफील्ड इकॉनामिक कॉरिडोर निर्माण कार्य, रिंग रोड, एलिवेटेड कॉरीडोर, सेतु एवं अन्य निर्माण कार्यों को भी मंजूरी देते हुए इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने की समय-सीमा भी घोषित की।

राजमार्ग होते हैं हैप्पीनेस लाने वाले हाइवे

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि सड़क परियोजनाओं के पूरा होने पर क्षेत्र का विकास होगा। युवाओं को रोजगार? मिलेगा, गरीबी दूर होगी। किसानों की फसल को अच्छा दाम मिलेगा। रोड कनेक्टिविटी बढ़ेगी और लोगों के जीवन में खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि राजमार्ग हैप्पीनेस लाने वाले हाई-वे होते हैं। हम मध्यप्रदेश के गांव-गांव को सड़कों से जोड़ेंगे, ताकि यहां सबको शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य उपचार और विकास का लाभ मिले।

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर, सोमनाथ और ओंकारेश्वर को जोड़ेंगे एक सूत्र में

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम विरासत से विकास की ओर बढ़ रहे हैं। अपनी विरासतों को समृद्ध कर लोगों को जोड़ रहे हैं। केन्द्र सरकार की मदद से हम श्री महाकालेश्वर ज्योर्तिलिंग को केन्द्र में रखकर इसे गुजरात स्थित सोमनाथ ज्योर्तिलिंग और ओंकारेश्वर से एक सूत्र में जोड़ेंगे। इसके लिए हमने केन्द्र सरकार से मांग की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार केन्द्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ेगी, जिससे विकासरूपी अमृत का सर्वाधिक लाभ मध्यप्रदेश को मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री से मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क और बढ़ाने की मांग करते हुए अपना विस्तृत मांग पत्र उनके समक्ष रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने जो भी मांगा, केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने हमें समय-समय पर वो सब दिया, पर हम यही नहीं रूकेंगे। प्रदेश के हित में हम नई राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए सतत मांग करेंगे। सिंहस्थ : 2028 के बेहतर आयोजन और श्रद्धालुओं के सहज और सुगम आवागमन के लिए मध्यप्रदेश में एक स्ट्रांग रोड नेटवर्क की स्थापना के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे।

सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन में मिलेगी भरपूर मदद : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में अमृतकाल चल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने देश का कायाकल्प करने का जो स्वप्न देखा था, प्रधानमंत्री मोदी अटल जी के उसी स्वप्न को साकार करने की दिशा में अनथक गति से अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि इसी अमृतकाल में हमारा देश, विश्व का सबसे अच्छा देश बनकर उभरेगा। सड़कें विकास का सहज पैमाना होती है। इसलिए गांव-गांव तक रोड कनेक्टिविटी बढ़ाकर हम मध्यप्रदेश की जनता की जिन्दगी में बदलाव लाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम रोड कनेक्टिविटी बढ़ाकर गांव के साथ-साथ शहरों को भी स्मार्ट सिटी बनाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर और भोपाल जल्द ही मेट्रोपॉलिटिन सिटी बनेंगे। ग्रामीण हो या शहरी सभी को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री गडकरी द्वारा मुक्त हृदय से मध्यप्रदेश को 5800 करोड़ रूपए लागत की 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात देने के लिए आभार जताते हुए कहा कि गडकरी देश के राजमार्ग विकास पुरूष हैं। उनके नेतृत्व में देश में तेजी से अधोसंरचनात्मक विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि मालवा अंचल को सीधे तौर पर लाभान्वित करने वाली इन सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से सरकार को सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन में भरपूर मदद मिलेगी।

सड़क परियोजनाओं का हुआ भूमि-पूजन और लोकार्पण

केन्द्रीय मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन-बदनावर खंड पर नवनिर्मित 4 लेन सड़क, उज्जैन-गरोठ के खेड़ा खजुरिया से सुहागड़ी तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, उज्जैन-गरोठ के सुहागड़ी से बर्डिया अमरा तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, जीरापुर-सुसनेर-मध्यप्रदेश एवं राजस्थान बॉर्डर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन सड़क और बाकानेर घाट पर पेव्ड शोल्डर के साथ अतिरिक्त 3 लेन सड़क का भी लोकार्पण किया। इसी प्रकार संदलपुर-नसरुल्लागंज खंड पर 4-लेन सड़क, चंदेरी-पिछोर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन सड़क, इंदौर-गुजरात खंड पर 7 फ्लाई ओवर एवं अंडरपास, शाजापुर, कनासिया एवं एमआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में 3 फ्लाई ओवर, अंडरपास तथा रसलपुर जंक्शन पर फ्लाई ओवर के कार्यों का भूमि-पूजन किया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने जनजातीय आबादी वाले धार जिले के बदनावर के ग्राम खेड़ा में इस भव्य आयोजन के लिए केन्द्रीय मंत्री गडकरी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि धार से तीन ज्योतिर्लिंग जुड़ते हैं। पर्यटन स्थल मांडू और बदनावर में खुले पीएम मित्र पार्क से इस क्षेत्र के विकास को एक नई गति मिलेगी और रोजगार बढ़ेंगे।

सड़कों पर सोने चांदी के रथ देखकर चौंके लोग भगवान महावीर के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर समेत देशभर में महावीर जयंती का पर्व पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर इंदौर सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों और जैन तीर्थ स्थलों पर शोभायात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। इन शोभायात्राओं में भगवान महावीर के जीवन दर्शन को प्रदर्शित किया जा रहा है और धार्मिक अनुष्ठान भी हो रहे हैं। प्रदेश के पांच प्रमुख जैन तीर्थ स्थलों पर विशेष धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। सड़कों पर कहीं सोने तो कहीं चांदी के रथ के साथ भगवान महावीर की शोभा यात्राएं निकल रही हैं।

महावीर जयंती के मौके पर दिगंबर और श्वेतांबर समाज ने अपने-अपने तरीके से रथयात्रा का आयोजन किया है। इंदौर में श्वेतांबर जैन समाज ने सुबह राजवाड़ा से रथयात्रा शुरू की, जिसमें भगवान महावीर के जीवन दर्शन पर आधारित तीन झांकियां प्रदर्शित की गई। इन झांकियों में 'जल बचाओ' जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को भी दशार्या गया। इसके अलावा, पंजाब और कर्नाटक की नृत्य मंडलियां भी इस यात्रा में सम्मिलित हुईं, जो माहौल को और भी रंगीन बना रही थीं।

बच्चों ने दी प्रस्तुतियां, युवा भी खूब रहे आगे

इंदौर में श्वेतांबर जैन महासंघ न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी भी शामिल हुए। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न प्रकार की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नन्हे बच्चे भगवान महावीर के रथ के आसपास सुंदर प्रस्तुतियां देते हुए नजर आए। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं भी शामिल हुए, जिन्होंने इस धार्मिक आयोजन का हिस्सा बनकर इसका महत्व महसूस किया।

शाम तक चलेंगे आयोजन

इंदौर में दिगंबर जैन समाज की रथयात्रा भी विशेष रूप से आयोजित की जा रही है। यह यात्रा दोपहर करीब 2.30 बजे कांच मंदिर, इतवारिया बाजार से शुरू होगी और स्वर्ण रथ के साथ शोभा यात्रा निकाली जाएगी। यह रथयात्रा भी धार्मिक आस्था और भक्ति का प्रतीक मानी जा रही है, जिसमें हजारों की संख्या में लोग सम्मिलित होते हैं। इस यात्रा में भगवान महावीर के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाता है।

मंत्री सिलावट ने ग्राम कैलोदहाला के माता मंदिर पर की सफाई

इंदौर। मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज गांव बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले के ग्राम कैलोदहाला के माता मंदिर पर स्वच्छता अभियान को लेकर सफाई की। इस दौरान सिलावट द्वारा 10 से अधिक सफाई कर्मियों का पुष्प माला से स्वागत कर उपहार भी दिए गए। इस अवसर पर 2 पेयजल टेंकरों को पेयजल वितरण हेतु हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान विश्वजीत सिंह सिसोदिया, रामेश्वर चौहान, जीतेन्द्र डोडिया, राकेश सोलंकी, श्रीमती वंदना सिंह, पप्पू शर्मा, विक्रम सिंह राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिकगण मौजूद थे।

मंत्री ने पिवड़ाय में निमार्णाधीन स्वास्थ्य केंद्र भवन और आवासग्रहों का किया निरीक्षण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पिवड़ाय में निमार्णाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन और स्टाफ आवासग्रहों का किया निरीक्षण। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। श्री सिलावट ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन और स्टाफ आवासग्रहों के निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु 6 माह का समय निर्धारित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि उक्त निर्माण कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाये।

उल्लेखनीय है कि मंत्री श्री सिलावट के प्रयासों से ग्राम पिवड़ाय में 30 बिस्तरीय सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन और स्टाफ आवासग्रहों के निर्माण के लिये राज्य शासन द्वारा कुल 1094.21 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री श्री सिलावट को अवगत कराया कि हॉस्पीटल के ब्लाक में आरसीसी का कार्य पूर्ण हो गया है। दीवार जुडाई प्लास्टर कार्य प्रगति पर है। सेप्टीक टेंक का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सम्पवेल निर्माण कार्य प्रगति पर है। स्टाफ क्वार्टर के निर्माण में आरसीसी कार्य पूर्ण हो गया है। एफ टाईप भवन की दीवार जुडाई प्लास्टर कार्य प्रगति पर है। जी टाईप का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जायेगा। मंत्री श्री सिलावट ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कई महत्वपूर्ण अतिरिक्त सुविधाएं भी उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र पर आरओ प्लांट, ऑक्सीजन प्लांट, सोलर पैनल लगाने के निर्देश दिये। साथ ही परिसर में गार्डन, केन्टीन, दोनों तरफ पब्लिक टॉयलेट तथा चार्जिंग पाइंट बनाने के निर्देश दिये। श्री सिलावट ने बताया कि पिवड़ाय में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनने से इस क्षेत्र के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

परिंदों के लिए पानी : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिया संदेश

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मांडव में परिंदों के लिए मिट्टी के सकोरों में पानी भरकर एक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के दिनों में हम सबकी यह ज़िम्मेवारी है कि परिंदों, गिलहरियों और ऐसे ही अन्य जीव-जन्तुओं के लिए अपने घरों और सार्वजनिक स्थानों पर पीने के पानी और दाना का प्रबंध जरूर करें। हमारी सनातन भारतीय संस्कृति हमें सिखाती हैं कि हमें समाज और प्रकृति में सभी की चिंता और कल्याण की भावना मन में रखनी चाहिए। और इसी भावना के अनुरूप सदैव ऐसे कार्य करने चाहिए।

स्व. रमेशचन्द्रजी अग्रवाल (भास्कर समूह) की पुण्यतिथि पर संस्था अग्रमंच द्वारा फल-फ्रुट, खाद्य सामग्री का वितरण किया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

अग्रवाल समाज की अग्रणी एवं सक्रिय संस्था अग्रमंच द्वारा वैश्य एवं अग्रवाल समाज के वरिष्ठ समाजसेवी ब्रह्मलीन श्री रमेशचन्द्रजी अग्रवाल की आठवी पुण्यतिथी दिनांक 10 अप्रेल 2025, गुरुवार को उन्मुक्त आनंद मानव सेवा संस्था 313 कालानी नगर श्री गुरु रामचंद्र झा स्कूल के सामने, इन्दौर में बच्चों एवं जरूरतमंदों को आवश्यक सामग्री का वितरण कि गई।

जानकारी देते हुए संस्था अग्रमंच के संस्थापक आशीष गोयल ने बताया कि, आदरणीय भाई साहब स्व. श्री रमेश्चन्द्र जी अग्रवाल जिन्होने अपने जीवनकाल में हजारों लोगों में समाजसेवा की भावना जागृत की एवं समय-समय पर उन्हे आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित भी किया। उन्होने स्वयं के बूते पर देश के मिडिया एवं अखबार जगत में भास्कर समूह को सर्वोच्च स्थान दिलाकर भारत वर्ष ही नही अपितु संपूर्ण विश्व में अपनी अलग ही पहचान स्थापित की है, अग्रवाल समाज के ऐसे वरिष्ठ समाजसेवी की आठवी पुण्यतिथी पर यह आयोजन किया गया, संस्था द्वारा प्रतिवर्ष श्री अग्रवाल जी की पुण्यतिथी पर कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, इसी क्रम में इस वर्ष यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर शैलेश जी गर्ग, गोपाल जी गोयल 999, अनिल जी अग्रवाल (एकता दर्पण), संदीप गोयल ऑटो, ने रमेशचन्द्रजी अग्रवाल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रृद्धांजली देकर याद किया गया। संस्था की तरफ से आयुष नीतू जिंदल ,शिवनारायण अग्रवाल, नवनीत शीना केडिया, अभिषेक वर्षा गोयल, कुलदीप नेहा अग्रवाल, सचिन पूजा मंगल उपस्थित रहे।

अपमान का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के 7 सूत्र !!!

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, जि़ंदगी कई बार आपका सामना ऐसे लोगों से करवा देती है जो किसी ना किसी बात को वजह बनाकर हमें अपमानित करने या नीचा दिखाने का प्रयास करते हैं। ऐसे समय में हमारे पास सामान्यतः दो विकल्प होते हैं। पहला, गुस्से में आकर प्रतिक्रिया देना और दूसरा, आत्मविश्वास और गरिमा के साथ स्थिति को सम्भालना। चूँकि पहले विकल्प के लिए अपनी ओर से कोई विशेष प्रयास या संयमित व्यवहार नहीं करना होता है, इसलिए अनजाने में लोग इसका प्रयोग करते ज्यादा नजर आते हैं। लेकिन अगर आप बेहतर और सम्मानजनक जीवन जीना चाहते हैं तो अपमानजनक व्यवहार का सामना करने के लिए आपको धैर्य और सूझबूझ की आवश्यकता होती है। आइए आज हम आत्मविश्वास के साथ अपमान का सामना करने के 7 सूत्र सीखते हैं-

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

पहला सूत्र : प्रश्न के साथ पलटवार करें- किसी के द्वारा अपमानित करने के प्रयास पर सीधे प्रतिक्रिया देने के स्थान पर पूर्ण आत्मविश्वास और गंभीरता के साथ प्रभावी प्रश्न पूछना सामने वाले को स्तब्ध कर सकता है। जैसे, आप सामने वाले को सोचने के लिए मजबूर करने के लिए उससे प्रश्न कर सकते हैं कि, आप इस तरह के शब्द कहकर क्या हासिल करने की उम्मीद कर रहे थे? जरा स्पष्ट तौर पर बतायेंगे। आपका सपाट प्रश्न सामने वाले को अपने शब्दों पर एक बार फिर गम्भीरता से सोचने के लिए मजबूर करेगा और आप अपनी गरिमा को बरकरार रखते हुए स्थिति को सम्भाल पाएँगे।

दूसरा सूत्र : डेथ स्टेयर याने मौत के समान सन्नाटे से जवाब दें- कई बार शब्दों से ज़्यादा ताक़तवर चुप्पी होती है। इसीलिए एक चुप्पी को सौ जवाबों के बराबर बताया जाता है। जब भी कोई आपको अपमानित करने का प्रयास करता है तो उन्हें गहरी नजरों से आँखों में आँखें डालकर देखें और कुछ ना कहें। ऐसा करना उन्हें तमाम आशंकाओं से भर सकता है। 'मौन निर्णय' गलत व्यवहार को अस्वीकार करने का एक प्रभावशाली तरीक़ा माना जाता है और यह सामने वाले को इस बात का एहसास करवाने के लिए काफ़ी होता है कि उनका व्यवहार अनुचित था।

तीसरा सूत्र : शांत और संयमित रहें- कई बार लोग हमें गुस्सा दिलाकर अपना काम निकालने का प्रयास करते हैं। दूसरे शब्दों में कहूँ तो कई बार लोग हमारे गुस्से की परीक्षा भी लेते हैं। ऐसे में शांत रहकर, समझदारी से दी गई प्रतिक्रिया सबसे ज्यादा प्रभावी सिद्ध होती है। इसलिए गुस्सा दिलाने के उद्देश्य से अपमानित करने के प्रयास पर सीधे कहें, मुझे क्षमा करें, मैं एक बार फिर सुनना चाहूँगा कि आपने क्या कहा? असल में, मैं सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि मैंने आपको सही सुना है। आपकी यह प्रतिक्रिया सामने वाले को स्पष्ट संकेत देगी कि आप किसी भी स्थिति में, कोई भी नकारात्मक टिप्पणी को हल्के में नहीं लेंगे, बल्कि स्पष्टता के साथ सीधा जवाब देंगे।

चौथा सूत्र : अपनी सीमा निर्धारित करें- किसी भी चीज को सहने की एक सीमा होती है, अपमान की भी। अगर कोई बार-बार आपका अपमान करने का प्रयास कर रहा है, तो उसे रोकने के लिए स्पष्ट संदेश देना आवश्यक हो जाता है। इसके लिए आपको स्पष्ट शब्दों में अपनी सीमा तय करना होगी और कहना होगा, कृपया, मुझसे इस तरह से बात ना करें, अन्यथा मैं इसी वक्त यहाँ से चला जाऊँगा! ऐसा कहना सामने वाले को स्पष्ट संदेश देता है कि आप सम्मान से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे।

पाँचवाँ सूत्र : बातचीत को रोक दें-स्पष्ट तौर पर कहने के बाद भी अगर कोई आपके सम्मान को ठेस पहुँचाने का प्रयास कर रहा है तो बेहतर यही है कि बातचीत को बीच में ही रोक दिया जाये। इसके लिए आप सामने वाले से स्पष्ट शब्दों में कह सकते हैं कि जब आप मुझसे सम्मान से बात करने के लिए तैयार हों, तब मुझसे संपर्क कर लीजियेगा। अभी बात को यहीं ख़त्म करना बेहतर होगा। यह न केवल आपकी गरिमा को बनाए रखता है बल्कि सामने वाले को यह भी समझाता है कि उनका अपमानजनक व्यवहार आपको स्वीकार्य नहीं है।

छठा सूत्र : सख्त रवैया अपनाएँ और स्पष्ट कहें- अगर कोई व्यक्ति बार-बार अपमान कर रहा है तो ग़लत व्यवहार सहने के स्थान पर उसे स्पष्ट शब्दों में कहना एक बेहतर विकल्प है। आप ऐसी स्थिति में स्पष्ट कह सकते हैं कि मैं एक बात साफ कर दूँ कि आपका यह व्यवहार मुझे बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। मुझसे फिर कभी इस तरह बात मत करना! यकीन मानियेगा, यह स्पष्टता सामने वाले को आपकी सीमाओं का सम्मान करने के लिए मजबूर करेगी।

सातवां सूत्र : शालीनता से जवाब दें- कभी-कभी अपमानजनक माहौल को नजरंदाज करते हुए शालीनता से बस चले जाना, एक बेहतरीन विकल्प होता है। अर्थात् अगर कोई अपमानजनक शब्द कह रहा हो तो मुस्कुराएँ या अपना सर हिलाएँ और वहाँ से चले जाएँ। कुछ कहने की जरूरत महसूस कर रहे हों तो अधिकतम धन्यवाद कहें और वहाँ से चले जाएँ। याद रखियेगा, जब आप शांति और गरिमा के साथ प्रतिक्रिया देते हैं, तो यह सामने वाले के अहंकार को चुनौती देता है और आप खुद को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं।

अंत में दोस्तों, मैं सिर्फ़ इतना कहना चाहूँगा कि अपमान का आत्मविश्वास के साथ सामना करना एक कला है, जिसमें संयम, बुद्धिमत्ता और गरिमा की आवश्यकता होती है। हर परिस्थिति में क्रोधित या आहत होने के बजाय, समझदारी से प्रतिक्रिया देना अधिक प्रभावी होता है। आपकी प्रतिक्रिया न केवल आपके आत्म-सम्मान की रक्षा करेगी, बल्कि सामने वाले को यह अहसास भी कराएगी कि अपमान करना एक गलत व्यवहार है।

सप्तर्षि सम्मान समारोह की प्रतीक्षा में- इंदौर में सजेगा पत्रकारिता का महोत्सव

इंदौर। शब्दों की साधना करने वाले, विचारों की मशाल थामे रखने वाले और सत्य की खोज में जीवन अर्पित कर देने वाले सक्रिय पत्रकारों का अभिनंदन करने जा रहा है। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा आयोजित भारतीय पत्रकारिता महोत्सव (सीजन-17) का भव्य आरंभ 11 अप्रैल 2025 की संध्या 7:30 बजे से अभिनव कला समाज, इंदौर में सप्तऋषि सम्मान समारोह के रूप में होगा। यह आयोजन इंदौर की पत्रकारिता को दिशा देने वाली सात विभूतियों के स्मरण और सम्मान का अवसर होगा। जिन सात पत्रकार-पुरोधाओं को सप्तर्षि की संज्ञा दी गई है, वे हैं- राहुल बारपुते, राजेंद्र माथुर, प्रभाष जोशी, माणिकचंद वाजपेयी, रमेशचंद्र अग्रवाल, अभय छजलानी, डॉ. वेदप्रताप वैदिक, इन सभी विभूतियों ने पत्रकारिता को परम धर्म के रूप में जिया। उनकी लेखनी ने विचार दिए, उनके संपादकीयों ने दिशा दी और उनके सिद्धांतों ने मीडिया को गरिमा प्रदान की।इस गरिमामय संध्या से भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का सूत्रपात होगा, जो 12, 13 व 14 अप्रैल तक विचार-परिचचाओं, कार्यशालाओं, संवाद सत्रों और रचनात्मक आयोजनों की श्रृंखला के रूप में आगे बढ़ेगा। स्टेट प्रेस क्लब म.प्र. द्वारा यह आयोजन उन सभी पत्रकारों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है, जो पत्रकारिता को केवल सूचना नहीं, बल्कि संवेदनाओं की सच्ची व्याख्या मानते हैं।

19 जून को सिकलसेल एनीमिया दिवस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। नेशनल हेल्थ मिशन की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में आज इंदौर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कायक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में इन्दौर, आलीराजपुर, बुरहानपुर, धार, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी एवं झाबुआ जिलों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में आर.सी.एच. सेवाओं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शहरी स्वास्थ्य कार्यकम, संजीवनी क्लीनिक की क्रियाशीलता, असंचारी रोग नियंत्रण, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम तथा सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत बेहतर एवं निम्न प्रदर्शन करने वाले जिलों से उनके प्रदर्शन के बारे में जानकारी ली गई।

3,000 करोड़ के राष्ट्रव्यापी फ्रेंचाइजी घोटाले का खुलासाः पीड़ितों ने सीबीआई और ईडी से जांच की मांग की, डलास ईकॉम इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड पर गंभीर आरोप

3,000 करोड़ के पैन-इंडिया घोटाले के पीड़ितों को दिल्ली के मुख्यमंत्री से मिला आश्वासन, जांच की राष्ट्रव्यापी मांग तेज

नई दिल्ली/इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

देशभर में फैले एक बड़े फ्रेंचाइजी घोटाले का पदार्फाश हुआ है, जिसमें भारत के विभिन्न हिस्सों से आए पीड़ितों ने मुंबई और दिल्ली स्थित डलास ईकॉम इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड पर फर्जी फ्रेंचाइजी मॉडल के जरिए? 3,000 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। कंपनी ने ईकॉम डिलीवरी नाम से यह घोटाला अंजाम दिया। आज प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीड़ितों ने तुरंत सीबीआई और ईडी जांच की मांग की, और कहा कि यह दोहराए जाने वाला घोटाले का मॉडल है।

कंपनी द्वारा कथित तौर पर 950 से अधिक फर्जी फ्रेंचाइजी बेची गईं, जिनमें राज्य, जोनल, ज़िला और पिन-कोड स्तर के फ्रेंचाइजी मॉडल शामिल थे। निवेश की राशि 1.5 लाख से लेकर 32.5 लाख तक रखी गई थी। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें भारी मुनाफे और व्यवसायिक सहायता का झांसा दिया गया, लेकिन भुगतान प्राप्त करने के बाद कंपनी के दिल्ली और मुंबई स्थित सभी ऑफिस अचानक बंद कर दिए गए। सभी फोन नंबर

बंद हो गए और संपर्क पूरी तरह से समाप्त हो गया। पीड़ितों ने यह भी आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है। इसी कोर टीम से जुड़े लोग पहले भी रोडएक्स, जस्ट डिलीवरी और अन्य फर्जी कंपनियों के जरिए ऐसे ही घोटाले कर चुके हैं। हर बार नए नाम और डमी डायरेक्टरों के जरिए कंपनी बनाई जाती है, जो 9 से 10 महीने चलती है और फिर गायब हो जाती है। एक कर्मचारी, जो पहले रोडएक्स में अमन गुप्ता नाम से काम कर रहा था, अब ईकॉम डिलीवरी में आदर्श मिश्रा नाम से सक्रिय है। पीड़ितों ने साझा किया कि उन्होंने कंपनी से जुड़े लोगों की फर्जी डिजिटल पहचान, बदले हुए छल्ल'ल्किल्ल प्रोफाइल और संबंधित दस्तावेज इकट्ठा किए हैं, जो इसे संगठित आर्थिक अपराध का स्पष्ट मामला बनाते हैं। उन्होंने एक पेन ड्राइव में वित्तीय रिकॉर्ड, संवाद और अनुबंधों की कॉपी संबंधित अधिकारियों को सौंपी है, और कहा कि यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग तक जुड़ा हो सकता है। पहले ही शिकायतें आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) और सरिता विहार-जसोल दिल्ली के थानों में दी जा चुकी हैं। आज सुबह पीड़ितों का एक समूह दिल्ली के मुख्यमंत्री से मिला, जिन्होंने मामले की गंभीरता को स्वीकार किया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। हालांकि, पीड़ितों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को विशाल स्वैन, विनोद राठौर, अभिषेक धुर्वे, मोनिका चौधरी, और गुरविंदर सिंह ने संबोधित किया, जो इस घोटाले को उजागर करने और न्याय की मांग में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

विशाल स्वैन ने कहा, हम केवल पीड़ित नहीं हैं—हम एक राष्ट्रीय घोटाले के व्हिसल-ब्लोअर हैं जो लोगों की ज़िंदगियाँ तबाह कर रहा है। सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, इससे पहले कि और परिवार शिकार बनें।

पीड़ितों की मांगें

- कंपनी और उसकी वित्तीय नेटवर्क की सीबीआई और ईडी द्वारा पूर्ण जांच
- सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और बैंक खातों की फोरेंसिक ऑडिट
- घोटाले की राशि से खरीदी गई संपत्तियों की जब्ती
- पीड़ित निवेशकों के लिए मुआवजे की संरचित व्यवस्था
- प्राइवेट फ्रेंचाइजी सेक्टर पर कड़ा नियामक नियंत्रण

ईकॉम डिलीवरी, रोडएक्स, और जस्ट डिलीवरी जैसी कंपनियों में 2,000 से अधिक परिवारों के साथ कुल 3,000 करोड़ की धोखाधड़ी हो चुकी है। पीड़ितों का कहना है कि यह मामला सिर्फ रिकवरी का नहीं, बल्कि जनता के भरोसे की रक्षा का है। इस घोटाले को रोकना जरूरी है ताकि भविष्य में और लोग शिकार न बनें।

मोनिका चौधरी ने कहा, हमने अपनी मेहनत की कमाई इस कंपनी पर विश्वास करके लगाई थी। अब हम केवल अपने पैसे के लिए नहीं, बल्कि एक फर्जी बिजनेस मॉडल को उजागर करने के लिए लड़ रहे हैं, जो पूरे देश में लोगों का शोषण कर रहा है।

गर्मी से बेहाल कई शहरों में लू और ओलों ने भी मचाई तबाही

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश में इस समय तेज गर्मी और लू के साथ कुछ स्थानों पर बारिश और ओले भी गिर रहे हैं। गुरुवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में गर्मी का असर देखा गया। धार और रतलाम में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया, जहां धार में 42.3 डिग्री और रतलाम में 42.2 डिग्री तापमान रहा। इंदौर में दो दर्जन से ज्यादा मोरों की मौत की खबर आई, हालांकि प्राणी संग्रहालय के प्रभारी डॉ. उत्तम यादव ने दो मोरों की मौत को हीट वेव से होने की बात कही। इस बीच शिवपुरी में शाम को बादल गरजे और बूंदाबांदी हुई, वहीं सागर में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओले गिरे। मुरैना में भी तेज हवाओं और बारिश के साथ ओले गिरने से फसलों को नुकसान हुआ है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार वेस्टर्न डिस्टरबेंस और ट्रफ एक्टिव होने के कारण अगले तीन दिनों तक यह मौसम बना रहेगा।

प्रदेश में तापमान लगातार बढ़ रहा

मध्यप्रदेश के बड़े शहरों में तापमान में भारी वृद्धि देखी गई है। भोपाल में तापमान 41.3 डिग्री, इंदौर में 40.3 डिग्री, ग्वालियर में 39.6 डिग्री, उज्जैन में 41 डिग्री, और जबलपुर में 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा खंडवा में 42.1 डिग्री, गुना-नर्मदापुरम में 42 डिग्री, टीकमगढ़-दमोह में 41.8 डिग्री, सागर में 41.5 डिग्री, खरगोन-नौगांव में 41 डिग्री, मंडला में 40.8 डिग्री, और सिवनी और शिवपुरी में पारा 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। इस बढ़ते तापमान के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में गर्मी का जोर बना हुआ है।

नगर निगम ने राजस्व बढ़ाने के लिए उठाए बड़े कदम, 1 लाख नई संपत्तियां खोजने का प्लान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

नगर निगम अब अपनी आय बढ़ाने के लिए पूरी तरह से जुटा हुआ है और इस दिशा में उसने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में पहली बार निगम ने एक हजार करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया है, जिसमें से आधी राशि सम्पत्ति कर से प्राप्त हुई है। हालांकि, अभी तक प्राधिकरण से राजस्व का पूरा हिसाब-किताब नहीं हो पाया है। यह आय नगर निगम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है।

नगर निगम ने राजस्व विभाग के माध्यम से जीआईएस सर्वे के टेंडर की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इस सर्वे का उद्देश्य एक लाख से अधिक नई सम्पत्तियों की पहचान करना है, जो अभी तक निगम के रिकॉर्ड में नहीं आई हैं। इसके अलावा, 29 गांवों के साथ-साथ शहर के कई पुराने और बड़े भूखंडों पर विगत दो-तीन वर्षों में कई बहुमंजिला इमारतों का निर्माण हुआ है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने

इस प्रयास को नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री के साथ चर्चा

महापौर पुष्यमित्र भार्गव का कहना है कि हम नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाने के हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में भोपाल में विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ महापौरों की एक बैठक हुई, जिसमें मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों को अपनी आय बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने के निर्देश दिए हैं। महापौर के अनुसार, इस वित्त वर्ष में नगर निगम राजस्व वसूली के नए रिकॉर्ड कायम करेगा, और निगम को उम्मीद है कि आने वाले समय में आय में और भी वृद्धि होगी।

सम्पत्ति कर वसूली में सख्ती

हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में आयुक्त शिवम वर्मा और राजस्व अमले ने बकायादारों के खिलाफ सख्ती से वसूली की। इसमें जब्ती, कुर्की और अन्य कड़ी कार्रवाई की गई है। नगर निगम के राजस्व विभाग के अनुसार, वर्तमान में कुल 6 लाख 80 हजार सम्पत्ति कर खाते हैं, जिसमें आवासीय, व्यवसायिक, औद्योगिक सहित सभी श्रेणियों की सम्पत्तियां शामिल हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में शहर में तेजी से आबादी बढ़ी है और नए निर्माण भी हुए हैं, खासकर कोविड के बाद, जिसके कारण निगम को उम्मीद है कि 1 लाख से अधिक सम्पत्तियां अब भी निगम के रिकॉर्ड में नहीं आई हैं। इन सम्पत्तियों से सम्पत्ति कर प्राप्त करने के लिए नगर निगम ने जीआईएस सर्वे कराने का निर्णय लिया है, जिसके टेंडर जल्द ही जारी किए जाएंगे।

सुरक्षा की परीक्षा में खरी उतरी इंदौर की मेट्रो, अब हो सकता है कमर्शियल रन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में तीन ट्रायल रन के बाद मेट्रो रेलवे सेफ्टी से फाइनल मंजूरी मिल गई है। अब मेट्रो कॉरपोरेशन कमर्शियल रन शुरू कर सकती है। बीते छह माह से मेट्रो कोच, ट्रेक, स्टेशन का सेफ्टी ऑडिट हो रहा था। यह ऑडिट छह किलो मीटर के ट्रैक में किया गया है। अब मेट्रो कार्पोरेशन को तय करना है कि कब से मेट्रो के छह किलोमीटर हिस्से में ट्रायल रन शुरू होगा,हालांकि उस हिस्से में न तो बसाहट है और न ही कोई व्यापारिक संस्थान है। इस कारण वहां ज्यादा यात्री नहीं मिलेंगे।

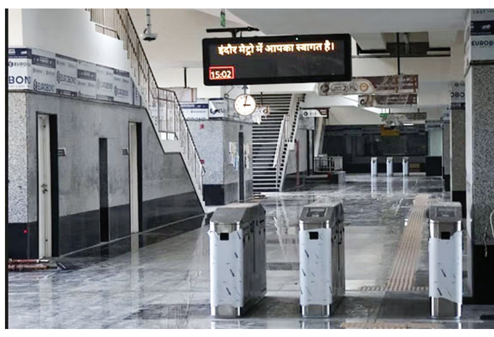

अब अगला ट्रायल रन सत्रह किलोमीटर

छह किलोमीटर तक का रुट मेट्रो के संचालन के पूरी तरह तैयार हो गया है।अब गांधी नगर डिपो से रेडिसन चौराहा तक 17 किलोमीटर लंबे हिस्से में फस्ट ट्रायल की तैयारी की जा रही है। इसके लिए छह माह का समय लग सकता है।17 किलोमीटर हिस्से में अभी मेट्रो स्टेशन पूरी तरह तैयार नहीं हुए है। यदि इस हिस्से में मेट्रो का संचालन होगा तो बड़ी संख्या में मेट्रो के लिए यात्री मिल सकते है। इस साल के अंत तक ट्रायल रन हो सकता है।

30 किलोमीटर का है रुट- इंदौर में 30 किलोमीटर का पूरा रुट है। अभी करीब 20 किलोमीटर हिस्से में काम चल रहा है। मध्य हिस्से में अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। पिछले दिनों नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मेट्रो रुट का दौरा किया था। उन्होंने एमजी रोड पर अंडरग्राउंड ट्रेक पर आपत्ति जताई थी। वे चाहते है कि पलासिया चौराहा से पहले मेट्रो अंडरग्राउंड हो सके, ताकि पलासिया चौराहे पर ब्रिज बन सके।

विश्व होम्योपैथिक दिवस पर श्री अन्नपूर्णा आश्रम मन्दिर में मेगा स्वास्थ्य शिविर संपन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आयुष विभाग इन्दौर द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत विश्व होम्योपैथिक दिवस के अवसर श्री अन्नपूर्णा आश्रम मन्दिर पर एक मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन डॉ. सैमुअल हैनिमन की 270 वीं जन्म जयंती को समर्पित है, जिन्हें होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति का जनक माना जाता है।

शिविर का उद्देश्य सर्वजन स्वास्थ्य को साकार करना है, ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ और प्रसन्न रह सके। इस अवसर पर मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर आयुष विभाग द्वारा होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने और जनमानस में इसके प्रति जागरूकता फैलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि होम्योपैथ प्राकृतिक और सुरक्षित इलाज है, होम्योपैथिक दवाएं प्राकृतिक स्त्रोतों से बनी होती हैं और इनके कोई साइड इफेक्ट नहीं होते, केवल लक्षणों को नहीं, बल्कि रोग के मूल कारण को खत्म करने पर ध्यान रहता है, प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि लाकर रोगों से लड़ने की शक्ति को बढ़ावा देती हैं। दीर्घकालिक राहत हेतु लंबे समय तक प्रभावी उपचार, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में मददगार है।

मां की डांट से नाराज युवती ने लगा ली फांसी, देर से उठने पर लगाई थी फटकार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में एक युवती ने मां की डांट से नाराज होकर फांसी लगा ली। मां को युवती के देरी से उठने की आदत अच्छी नहीं लगती थी। इसी बात को लेकर उनसे डांटा था। जिसे युवती ने दिल पर ले लिया और फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। द्वारकापुरी क्षेत्र में रहने वाली युवती रेणुका को उसकी मां ने सुबह उठाया और देरी से उठने की आदत पर खूब डांटा। मां और बेटी

को दूसरे दिन रिश्तेदार के यहां जाना था। दोपहर में रेणुका ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। शाम को चचेरा भाई घर आया तो उसने युवती को फंदे पर लटके देखा और परिजनों को सूचना दी। परिजन युवती को अस्पताल ले गए। डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि युवती को पढ़ाई का भी तनाव रहता था। पुलिस ने युवती का मोबाइल भी जब्त कर लिया है, ताकि यह पता चल सके कि मौत की वजह कुछ और तो नहीं है। इसके अलावा इंदौर के धीरज नगर क्षेत्र में भी एक किशोरी ने आत्महत्या कर ली। युवती जिस युवक को पसंद करती थी। उसकी शादी कही और तय होने वाली थी। इससे युवती तनाव में आ गई थी और उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

क्राइम ब्रांच इंदौर की कार्यवाही में एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में फरार आरोपी धराया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर में अपराध नियंत्रण हेतु इंदौर कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं इनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों एवं उक्त प्रकरणों में फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर उनके विरूध्द प्रभावी कार्यवाही के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं।

उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रयझविक्रय व इनमें संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार असूचना संकलन कर कार्यवाही की जा रही हैं। इसी कड़ी में कार्यवाही के दौरान क्राईम ब्रांच की टीम को जिला इंदौर नगरीय के थाना अपराध शाखा के अपराध क्रमांक 48/25 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट में एमडी ड्रग्स के साथ आरोपी लियाकत को गिरफ्तार किया था, आरोपी लियाकत द्वारा आसिफ उर्फ पप्पू कुरैशी निवासी खजराना से ड्रग्स खरीदना बताया था इस मामले में आसिफ उर्फ पप्पू कुरैशी को गिरफ्तार कर पूछताछ में आरोपी रियासत पिता लियाकत अली निवासी जावरा से ड्रग्स खरीदना स्वीकार किया गया था ।आरोपी के संबंध में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई। जिसपर क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना एवं तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपी (1).रियासत अली पिता लियाकत अली उम्र 34 वर्ष निवासी - जावरा जिला रतलाम को घेराबंदी कर पकड़ा। क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस के द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

डॉ दिलीप कुमार आचार्य को आईएमए इंदौर का लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर के सुप्रसिद्ध सर्जन व पूर्व सिविल सर्जन व सर्जिकल स्पेशलिस्ट डॉ दिलीप कुमार आचार्य, को आईएमए इंदौर के लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड- डॉ एसके शुक्ला अवार्ड से नवाजा गया।

डॉ दिलीप कुमार आचार्य का परिचय देते हुए डॉ संजय लोंढे ने बताया की डॉ आचार्य आईएमए इंदौर व मध्य प्रदेश के प्रेसिडेंट रह चुके है, आप आईएमए राष्ट्रीय ऐ के एन सिन्हा इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर व राष्ट्रीय असिस्टेंट सेक्रेटरी भी रह चुके है व वर्तमान में आईएमए की राष्ट्रीय कैंसर व तंबाकू नियंत्रण समिति के

राष्ट्रीय चेयरमैन है। डॉ आचार्य द्वारा -आईएमए डॉ एसके शुक्ला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड- मिलने पर अपने मरीजों, आईएमए के सीनियर्स व साथीगण को अवार्ड के लिए धन्यवाद दिया व भविष्य मैं भी मरीजों की भलाई व आई एम ए के जरिए कैंसर व तंबाकू नियंत्रण हेतु कार्य करते रहने के बात कही। उल्लेखनीय है कि डॉ आचार्य को इसके पूर्व भी कई अवार्ड से नवाजा जा चुका है। डॉ आचार्य ने बताया की अवार्ड महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव व अपने गुरु डॉ सतीश शुक्ला, (जिनके नाम पर यह अवार्ड है)के हाथों प्राप्त कर गौरान्वित महसूस कर रहे है । डॉ आचार्य द्वारा आईएमए इंदौर के हाईस्ट अवार्ड को प्राप्त करने पर वंहा मौजूद डॉ शेखर राव, डॉ संजय लोंढे, डॉ सुमित शुक्ला, डॉ नरेंद्र पाटीदार, डॉ प्रदीप श्रीवास्तव, डॉ चन्द्रहास कुलकर्णी, डॉ अक्षत पांडे, उज्जैन से आए डॉ सी एम पौराणिक, डॉ लखोटिया, डॉ जोशी, डॉ मूंदड़ा आदि लोगो ने अनेक अनेक बधाइयाँ दी।

इंदौर में चार मोरों की मौत, पोस्टमार्टम के बाद डाक्टरों ने कहा लू लगने से हुई मौतें, अन्य इलाकों में भी मोरों की मौत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के जीपीओ क्षेत्र में चार मोरों की मौत हो गई। लोगों ने जब मोरों को जमीन पर मृत अवस्था में देखा तो पशु चिकित्सालय को सूचना दी। इसके बाद विभाग की टीम आई और मोरों को पशु चिकित्सालय ले गई। वहां चारों मोरों का पोस्टमार्टम किया गया। डाक्टरों ने मौत की वजह बढ़ता तापमान और लू बताई है।

इंदौर में अलग-अलग स्थानों पर पंद्रह हजार से अधिक मोर है। मिल एरिया के परिसर, भांग्या, कृषि कॉलेज क्षेत्र, रेसीडेंसी

एरिया, मेघदूत, रालामंडल, पीटीएस, साकेत नगर में कई मोर परिवार बड़ी संख्या में पाए जाते है। रहवासियों को पहले लगा कि कुछ खाने की वजह से मोरों की मौत हुई है, लेकिन एक ही इलाके में चार मोर मृत मिले। चिड़ियाघर प्रभारी उत्तम यादव ने कहा कि उन्हें रहवासियों ने फोन पर मृत मोरों की जानकारी दी थी। हमारी टीम मोरों को प्राणी संग्रहालय के चिकित्सालय में लेकर आई। पोस्टमार्टम में हीटवेव की वजह से उनकी मौत होना पाया गया। शहर के कालिंदी कुंज में भी कुछ मोरों की मौत की जानकारी मिली है। रहवासियों ने बताया कि उनकी कॉलोनी में भी पांच मोर है, जिनकी तबीयत खराब हो गई थी। हमने उन्हें पानी पिलाया। इसके बाद पशु चिकित्सालय ले गए थे। उनमें से चार मोरों की मौत हो गई। पिछले साल भी गर्मी के दिनों में अलग-अलग स्थानों पर दस से ज्यादा मोरों की मौत हो चुकी थी।

डिहाइड्रेशन से होती हैं मौतें

डाक्टरों का कहना है कि गर्मी में पारा 40 डिग्री तक पहुंच चुका है। जिन इलाकों में मोर पाए जाते हैं। वहां रहवासी पानी में इलेक्ट्रॉल घोल कर रखें,क्योकि गर्मी में मोरों के शरीर में तेजी से वॉटर लॉस होता है। यदि समय पर शरीर में उसकी पूर्ति नहीं होती है तो फिर मौत के मामले बढ़ जाते हैं।

मनरेगा को जिम्मेदार ही लगा रहे पलीता, ग्रामीण हुए बेरोजगार

सीधी ■

जरूरतमंद लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना ग्रामीण क्षेत्र में लागू की गई है, जिसमें रोजगार की गारंटी दी जाती है जिसके लिए मांग के अनुसार रोजगार दिया जाए और उपयोगी स्थान में निर्माण कार्य कराए जाने के प्रावधान है। जहां सार्वजनिक एवं हितग्राही मूलक कार्य मजदूरों से कराना अनिवार्य है क्योंकि योजना का प्रमुख उद्देश्य ही ग्रामीणों को रोजगार दिलाना है और यह योजना भी रोजगार मूलक है लेकिन जिन लोगों को योजना का क्रियान्वयन करना है वही जब योजना को पलीता लगाने लगेंगे तब उस योजना को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। कुछ इसी तरह का मामला जनपद पंचायत कुसमी अंतर्गत ग्राम पंचायत डेवा का प्रकाश में आया है, जहां ग्रामीणों ने जमीनी हकीकत बताते हुए पूरे तंत्र पर सवाल उठाया है।

अनुपयोगी हैं निर्माण कार्य

ग्रामीणों ने बताया कि यहां कहने को तो 50 लाख के निर्माण कार्य के नाम पर मस्टर रोल जारी हैं लेकिन एक भी जरूरतमंद ग्रामीण को रोजगार नहीं मिलता है रोजगार की जरूरत है लेकिन जिम्मेदारों के दर्शन ही नहीं होते हैं जिस कारण जरूरतमंद ग्रामीण परेशान रहते हैं जबकि जल संरक्षण के नाम पर जहां खेत तालाब के निर्माण कराए गए हैं वहां बरसात में भी अगल-बगल का पानी नहीं जाएगा साथ ही खुदाई भी खानापूर्ति के हिसाब से की जाती है।

ग्रामीणों ने भौतिक सत्यापन करने की मांग की

ग्रामीणों ने समाचार पत्र के माध्यम से जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कर मांग किया है कि सभी निर्माण कार्यों की जिला स्तरीय जांच दल से जांच कराई जाए। अगर जेसीबी मशीन से निर्माण कार्य हुआ है तो उसका भुगतान रोक दिया जाए एवं जिम्मेदारों के खिलाफ पद के दुरुपयोग का मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

निर्माण कार्यों को लेकर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

खेत तालाब निर्माण बाल्मिक पटेल डेवा जिसमें 460 कार्य दिवस एवं 105791 रुपए मजदूरी भुगतान। खेत तालाब निर्माण रामकरण पिता दौलत बैगा 294 कार्य दिवस 68007 रुपए मजदूरी भुगतान। खेत तालाब निर्माण रामगोपाल पिता महादेव यादव देउमठ 437 कार्य दिवस 100809 रुपए मजदूरी भुगतान। भाईलाल उर्फ श्याम बंसल डेवा 463 कार्य दिवस 1 लाख 6819 मजदूरी भुगतान। नवीन तालाब निर्माण चरहाडांड देउमठ 5 लाख मजदूरी भुगतान। डग पौंड निर्माण बृजभान यादव के खेत के पास देउमठ 923 कार्य दिवस 167280 रुपए मजदूरी भुगतान। परकुलेशन टैंक निर्माण शिव प्रसाद बैगा के खेत के पास देउमठ 416 कार्य दिवस 47065 रुपए मजदूरी भुगतान। राम सुंदर पिता हीरालाल यादव खेत तालाब आदि शामिल है।

मशीन से निर्माण कार्य होना पाया जाएगा तो रूकेगा भुगतान

मनरेगा योजना ही रोजगार मूलक योजना है जिसमें जरूरतमंद ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलना चाहिए। अगर ग्राम पंचायत डेवा में इस तरह फजीवाड़ा किया जा रहा है तो उसकी निष्पक्ष जांच होगी और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। अगर मशीन से निर्माण कार्य होना पाया जाता है तो उसका भुगतान भी रोक दिया जाएगा।

अजय द्विवेदी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, जनपद पंचायत कुसमी

कार्यक्रम के दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया ने महिला से मांगा गुटखा

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का अनोखे अंदाज का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वह विकास कार्यों का लोकार्पण करने एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। जहां उनकी नजर एक महिला पर पड़ गई। जो कि गुटखा खा रही थी।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुस्कुराते हुए महिला से कहा कि गुटखा मत खाओ बहन, मैंने तुम्हें पकड़ लिया है। इसके बाद बेहद सरल अंदाज में उन्होंने महिला से कहा कि मुस्कुराओ, दुखी मत हो कि मैंने तुम्हारी सुपारी ले ली। खुश हो कि अब तुम्हारी सेहत सुरक्षित रहेगी। इतना कहकर उन्होंने महिला से गुटखे का पैकेट ले लिया और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसकी लोग जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देशवासियों को महावीर जयंती की शुभकमानाएं दीं। इसके बाद उन्होंने कहा कि जियो और जीने दो का संदेश आज उतना ही प्रासंगिक है।

भगवान के कल्याणको का महत्व बताया तत्पश्चात शोभायात्रा का समापन

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में जैन समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा जैन मंदिर प्रताप गंज से जूलूस मार्ग होते हुए स्थानक भवन पहुंचा जहां विराजमान साध्वी भगवंत पूज्यश्री चम्पाजी मारासहब आदि ठाणा 4 के द्वारा भगवान के कल्याणको का महत्व बताया तत्पश्चात शोभायात्रा का समापन मंदिर जी में हुआ जिसमें श्री श्वेत, मु.पु. संघ द्वारा पेड़े की प्रसादी का वितरण किया गया जिसके बाद रघुवंश पब्लिक स्कूल के स्टेडियम में संयम बहु मंडल द्वारा नाटक और बच्चों द्वारा सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी गई तीन दिवसीय आयोजित प्रेरणा बहु मंडल के कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कार दिया गया कार्यक्रम का संचालन रुचिता जैन और लीना जैन द्वारा किया गया प्रेमचंद्र जी सुराणा द्वारा सकल जैन संघ के सहयोग के लिए आभार किया गया।

श्री जैन चेत्यालय के निर्माण के लिए श्री संघ के सदस्य से तन मन धन से सहयोग कि अपेक्षा जताई समाज के वरिष्ठ श्री बी एल जी जैन साहब, दीपक जी लालका, अशोक जो सकलेचा गिरिश जी लालका, योगेश जी पाटनी, प्रेमचंद्र जी सुराणा, नन्दलाल जी बुरड़, अशोक जी पाटनी, निलेश जैन, किन्शुक लालका, सौरभ जैन, छोटेलाल जी जोगड़, रत्नेश जैन भूषण जैन गिरिश नागड़ा, परेश सेठिया, धीरेन्द मोमया, भरत जैन, मयंक जैन , जय सेठिया,पीयूष शाह,तेजस शाह, पवन शाह, सुरेश बागरेचा, चंद्रकुमार जी बागरेचा आदिनाथ महिला मंडल, चन्दना मंडल,संयम बहु मंडल, प्रेरणा बहु मंडल व तीनों ना संघ के सदस्य व पाद्धिकारियों उपस्थित रहे।

घर में अकेला पाकर केयरटेकर ने एमपी के पूर्व डीजीपी का गला दबाया

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से बड़ा मामला सामने आया है। जहां पूर्व डीजीपी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। केयरटेकर गला दबोचकर पैसों की मांग कर रहा था। तभी अचानक घर में खाना बनाने वाली गीता उसकी वक्त पहुंच गई। जिसे देखकर रफीक खान ने अपने कदम पीछे खींच लिए। पूरा मामला अरेरा कॉलोनी का बताया जा रहा है। पूर्व डीजीपी एचएम जोशी 1948 बैच के रिटायर्ड आईपीएस अफसर हैं। वह 1984 में रिटायर हुए थे। रफीक खान जो कि केयरटेकर था। उसके पूर्व डीजीपी के द्वारा हर 18-20 हजार रुपए दिए जाते थे। उन्होंने हबीबगंज थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

प्रधानाध्यापक का प्रयास लाया रंगः नवीन भवन और बाउंड्रीवाल का जल्द होगा निर्माण, बदलेगी तस्वीर

सीधी ■

मझौली विकासखंड के शासकीय माध्यमिक शाला कंजवार की तस्वीर व तकदीर बदलने वाली है। विद्यालय को नवीन भवन व बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम ने राशि स्वीकृत की है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक शैलेंद्र प्रताप सिंह बालेंदु ने पदस्थापना के साथ ही इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे थे। जर्जर भवन के मरम्मतीकरण के लिए उन्होंने ग्रामीणजनों का सहयोग लिया था, जिससे विद्यालय का संचालन आंगनबाड़ी केंद्र से स्कूल भवन में संभव हो पाया था। अब विधायक मद से स्वीकृति की गई राशि से विद्यालय के नवीन भवन एवं बाउंड्रीवाल का निर्माण होगा। शिक्षक शैलेंद्र सिंह की पदस्थापना माध्यमिक शाला कंजवार में 13 अगस्त 2024 को हुई थी। तब जर्जर भवन के कारण विद्यालय का संचालन गांव के ही आंगनबाड़ी केंद्र में किया जा रहा था।

धौहनी विधायक ने दी सौगात

शिक्षक सिंह ने पदभार ग्रहण करने के बाद से ही विद्यालय के भवन में स्कूल संचालन का संकल्प लेते हुए इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिया था। चंद महीनों में ही उन्होंने ग्रामीणों के सहयोग से करीब ढाई लाख रुपये एकत्रित किये और जर्जर भवन का मरम्मतीकरण कराने के बाद वहां विद्यालय का संचालन सुनिश्चित कराया। इसके बाद भी भवन की समस्या बरकरार थी, निराकरण को अधिकारियों के साथ विधायक कुंवर सिंह टेकाम को भी मांग पत्र सौंपा था। विधायक टेकाम ने शाला के नवीन भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपये एवं नवीन बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 10 लाख रुपये विधायक मद से स्वीकृत किये हैं।

हैंडपंप का खनन शुरू

विद्यालय में पेयजल समस्या के निदान के लिए प्रधानाध्यापक शैलेंद्र सिंह ने विधायक से हैंडपंप की भी मांग की थी। उनकी मांग पर विधायक धौहनी टेकाम ने अपने मद विद्यालय परिसर में हैंडपंप की स्वीकृत प्रदान की है, जिसका उत्खनन कार्य बुधवार को शुरू हो गया है। हैंडपंप लगने से विद्यालय में पानी की समस्या का निराकरण हो जाएगा। प्रधानाध्यापक सिंह ने बताया, इस कार्य में ग्राम पंचायत कंजवार के उप सरपंच ब्रह्मानंद द्विवेदी व शीवेंद्र सिंह शेर गांव का सराहनीय सहयोग रहा।

फर्जी डॉक्टर जॉन ने जिस लैब में किए प्रोसीजर उसे किया गया सील

दमोह ■

मध्यप्रदेश के दमोह में 7 लोगों की मौत के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरूवार को प्रशासन ने मिशन अस्पताल की कैथ लैब को सील कर दिया। कैथ लैब में ही फर्जी डॉक्टर ऐनकेम जॉन उर्फ नरेन्द्र यादव ने मरीजों के प्रोसीजर किए थे और इसके बाद 7 लोगों की मौत हो गई थी। चार डॉक्टरों की टीम के साथ नायब तहसीलदार ने जांच के बाद कैथ लैब को सील किया है। बता दें कि 7 लोगों की मौत के मामले में फर्जी डॉक्टर ऐनकेम जॉन को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था जो 5 दिन की पुलिस रिमांड पर है और उससे पूछताछ की जा रही है।

पंजीयन के बिना चल रही थी लैब

सीएमएचओ के निर्देश के बाद गुरूवार शाम करीब 4 बजे चार डॉक्टरों की टीम नायब तहसीलदार के साथ मिशन अस्पताल में जांच के लिए पहुंची थी। पहले ही ये बात पता चल चुकी थी कि लैब स्टेट काउंसिल में बिना पंजीयन के फर्जी डॉक्टर ऐनकेम जॉन कैथलैब में मरीजों का प्रोसीजर करता था। लैब का रजिस्ट्रेशन जबलपुर के डीएम कार्डियक के नाम पर है जो मौके पर नहीं मिले। इसी लैब में उन सात लोगों का भी प्रोसीजर फर्जी डॉक्टर ने किया था। जांच के दौरान ये भी पता चला है डायलिसिस यूनिट बंद है और उसका रजिस्ट्रेशन भी नहीं है।

जिस वक्त लैब को सील किया जा रहा था तब मिशन अस्पताल की संचालक पुष्पा खरे ने कहा कि लैब में करोड़ों रुपए की 8 मशीनें हैं जो टेंपरेचर मेंटेन न होने पर खराब हो जाएंगी लेकिन डॉक्टरों की टीम और नायब तहसीलदार ने उनकी बात नहीं सुनी और लैब को सील कर दिया। वहीं डॉ. विक्रांत चौहान, नोडल, क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट ने बताया कि नियमानुसार ही कैथलैब को सील किया गया है।

Office of Executive Engineer P.W.D Division Neemuch (M.P.)

Tender Notice

NIT No 01/2025-26 NEEMUH) Date 04-04-2025

Online Tender for mentioned below are being invited. The Tender have been uploaded on the e-Procurement system of Public Works Department on the Portal www.mpeproc.gov.in Tender details are as below:-

S.no.	Tender no.	District	Nature of work	Name of work	Call No.	(PAC) (Rs. In lack)	EMD	Time Period
1	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2025_PWDRB_415067_1	NEEMUCH	ROAD WORK	STRENGTHENING WORK ATHAN KIRPURA ROAD L- 0.10 KM WITH MINOR BRIDGE AND JANAKPUR APPROCH ROAD L. 0.500 KM AND JHANTLA PATAN ROAD LENGTH 1.00 KM TOTAL LENGTH 1.60 KM	1	269.57	269570	06 months In.R.S
2	2025_PWDRB_415105_1	NEEMUCH	ROAD WORK	JAWAD BUS STAND TO ITI CHHATRAWAS ROAD LENGTH 1.50 KM WITH ELECTRICAL WORK	1	242.49	242490	06 months In.R.S
3	2025_PWDRB_415122_1	NEEMUCH	ROAD WORK	STRENTHING WORK ON LODKIYA ATRIMATA AMLIKHEDA BHADWAMATA SARVANIYA MAHARAJ JAWAD ATHANA DHANI SARODA CHADOLE ROAD AATRIMATA TO LODKIYA LENGHT 1.10 KM	1	324.43	324430	08 months In.R.S
4	2025_PWDRB_415146_1	NEEMUCH	ROAD WORK	STRENTHING WORK ON DEVRI KHAWASA KUKDESHWAR TAMOTI ROAD VIA RATANPURA PAWATI HANUMANTYA ROAD (KUKDESHWAR TO TAMOTI ROAD 1.30 KM	1	401.88	401880	10 months In.R.S
5	2025_PWDRB_415148_1	—ll—	ROAD WORK	STRENTHING WORK ON KUKDESHWAR AMAD ROAD , MANASA ARNIYA MALI BORDIYA KALA ROAD , AMAD APROCH ROAD LENGTH 1.60 KM	1	268.10	268100	06 months In.R.S
6	2025_PWDRB_414706_1	—ll—	ROAD WORK	STRENTHING WORK ON KUNDALIYA CHIKLI GUJRAT ROAD 0.10 KM	1	112.11	112110	04 months In.R.S
7	2025_PWDRB_414707_1	—ll—	ROAD WORK	STRENGTHENING WORK ON MODI UPREDA SARWANIYA MAHARAJ ROAD LENGTH 1.50 KM	1	124.82	124820	06 months In.R.S
8	2025_PWDRB_414708_1	—ll—	ROAD WORK	STRENGTHENING WORK ON REVLI DEVLI BISALWAS SONIGARA ROAD NEEMUCH CHITAKHEDA JEERAN MALHARGARH ROAD LENGTH 1.2 KM	1	98.12	981200	04 months In.R.S
9	2024_PWDRB_359626_6	Neemuch	Vehicle	Hiring Of 01 nos Boleroa or Equivalent vehicle for use of Govt work to Executive Engineer PWD Division Neemuch	7	3.00	6000	12 months In.R.S
10	2025_PWDRB_415152_1	Neemuch	Maintance	SRMOW WORK FOR NRB AND SUB DIVISION MANASA DIVISION NEEMUCH	1	19.99	40000	12 months In.R.S
11	2025_PWDRB_415153_1	Neemuch	Maintance	SRMOW WORK FOR NRB AT JAWAD, RATANGARH JAAT SINGOLI SECTION SUB DIVISION NEEMUCH DIVISION NEEMUCH	1	19.99	40000	12 months In.R.S

The document can only be purchased online from the above website after making online payment. The last date & time for purchase of Document on line is Dated 21 / 04 /2025 up to 17:30 PM. Detailed NIT and other details can be viewed on the above mentioned portal. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

All Document Received Only Online .

G-11352/25

EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIVISION NEEMUCH

■ दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।
■ देर से घर आए लेकिन दुरूस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

तीन साल में यूपी से खत्म हो जाएगी गरीबी : योगी

गरीबी हटाओ का नारा भारतीय राजनीति का सबसे पुराना और सबसे आजमाया हुआ वाक्य है। यह नारा सुनते-सुनते कई पीढ़ियां जवान हो चुकी हैं, लेकिन गरीबी का अंत अब तक नहीं हुआ। इंदिरा गांधी ने इस नारे को 1971 में दिया था और इसी नारे पर चुनाव जीतकर सत्ता में लौटी थीं। उसके बाद से लेकर आज तक हर सरकार ने इस नारे को अपनी सुविधा और राजनीतिक जरूरत के अनुसार इस्तेमाल किया है। नरेंद्र मोदी ने भी गरीबी को जातीय राजनीति के जवाब के रूप में पेश किया, और अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी यह संकल्प लिया है कि वे उत्तर प्रदेश को गरीबी मुक्त राज्य बनाएंगे। यह दावा उन्होंने महाराजगंज में किया, जहां उन्होंने कहा कि अगले तीन साल में यूपी से गरीबी खत्म कर दी जाएगी और प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य बनाया जाएगा। यह बात उन्होंने तब कही जब एक सप्ताह पहले ही उनका बयान आया था कि वे राजनीति में लंबी पारी खेलने नहीं आए हैं। लेकिन उनके इस नए संकल्प से साफ है कि वे अभी कहीं जाने वाले नहीं हैं।

अजय कुमार
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

योगी आदित्यनाथ ने जो संकल्प लिया है, वह सिर्फ एक चुनावी वादा नहीं बल्कि व्यक्तिगत संकल्प बताया जा रहा है। उन्होंने खुद कहा है कि राजनीति में भी समयसीमा होनी चाहिए और इस लक्ष्य को पाने के लिए उन्होंने तीन साल की डेडलाइन तय की है। हालांकि तकनीकी रूप से उनके मौजूदा कार्यकाल के सिर्फ दो साल ही बचे हैं, इसलिए यह मानना मुश्किल नहीं कि उनका इरादा 2027 के बाद भी सत्ता में बने रहने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह योगी आदित्यनाथ भी 'गरीब' को एक अलग वर्ग के रूप में पेश कर रहे हैं। जब बिहार में जातिगत जनगणना के बाद मोदी ने ओबीसी, एससी, एसटी और 'गरीब' का नाम लिया था, तो उसी 'गरीब' वर्ग को अब योगी राजनीति का केंद्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को देखते हुए गरीबी हटाओ का अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण है। लेकिन योगी सरकार ने इसकी शुरूआत 2 अक्टूबर 2024 को गांधी जयंती पर की, जब उन्होंने जीरो पॉवर्टी स्टेट बनाने का ऐलान किया। सरकार के मुताबिक प्रदेश के हर ग्राम पंचायत से 25 निर्धनतम परिवारों को चिन्हित किया जाएगा और उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की 17 योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। लक्ष्य है कि इन परिवारों की वार्षिक आय को ?1,25,000 तक पहुंचाया जाए ताकि वे गरीबी रेखा से ऊपर आ सकें। इसके लिए सरकार खाद्यान्न, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की योजनाओं को समन्वयित रूप से उन तक पहुंचाएगी। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में 2013-14 में बहुआयामी गरीबी का स्तर 42.59 प्रतिशत था, जो 2022-23 में घटकर 17.40 प्रतिशत पर आ गया है। इसका अर्थ है कि बीते नौ वर्षों में करीब 5.94 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। यह आंकड़ा बताता है कि सरकार की योजनाएं कुछ हद तक असरदार रही हैं। लेकिन यूपी जैसे विशाल और विविध राज्य में गरीबी पूरी तरह मिटाना अब भी एक बड़ा लक्ष्य है। योगी आदित्यनाथ के मुताबिक, उनकी सरकार ने पिछले छह वर्षों में 55 लाख से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के तहत घर दिए हैं। इसके अलावा तीन करोड़ से अधिक परिवारों को शौचालय की सुविधा दी गई है और लगभग सभी गांवों को बिजली और पानी की सुविधा से जोड़ा गया है। सरकार का दावा है कि वह रोजगार को प्राथमिकता पर रख रही है। मिशन रोजगार अभियान के तहत सरकार अगले तीन-चार वर्षों में दो करोड़ युवाओं को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप योजना के तहत 7.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे अपनी आजीविका कमा सकें। इस योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों के युवाओं को सीधा आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना है। वहीं, मनरेगा जैसी योजनाएं भी ग्रामीण रोजगार सृजन में मदद कर रही हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार दावा कर रही है कि वह अब गरीबी के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है। यह संकल्प सिर्फ सरकारी दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे मिशन मोड में लागू किया जाएगा। सरकार के अनुसार 2025 तक प्रदेश के सभी ब्लॉकों में गरीबी निवारण की प्रगति का ऑडिट किया जाएगा और 2026 तक अधिकांश चयनित परिवार गरीबी से ऊपर उठ चुके होंगे। हालांकि योगी आदित्यनाथ का ये संकल्प विपक्षी दलों को रास नहीं आया है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने इसे सिर्फ चुनावी स्टंट करार दिया है। उनका कहना है कि सरकार ने पहले भी रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में बड़े वादे किए, लेकिन उनके परिणाम जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं। विपक्ष का तर्क है कि अगर सरकार वास्तव में गंभीर होती तो अब तक प्रदेश की सामाजिक सूचकांक में और सुधार दिखता। उदाहरण के तौर पर, एनएफएचएस-5 के मुताबिक प्रदेश में अभी भी कुपोषण, एनीमिया और शिशु मृत्यु दर जैसे आंकड़े चिंता का विषय हैं। एक तरफ योगी आदित्यनाथ का दावा है कि वह प्रदेश को गरीबी मुक्त बना देंगे, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश की आबादी, संसाधनों की कमी, और प्रशासनिक भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियां इस अभियान को कठिन बनाती हैं। साथ ही प्रदेश के पिछड़े जिलों, जैसे बलिया, श्रावस्ती, सोनभद्र और चंदौली में अभी भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में अगर सरकार वास्तव में गरीबी खत्म करना चाहती है, तो उसे सिर्फ योजनाएं बनाने से आगे जाकर जमीनी कार्यवाही करनी होगी। फिलहाल, यूपी सरकार ने जिन योजनाओं की घोषणा की है, वे यदि ईमानदारी से लागू की जाती हैं तो परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन इन योजनाओं की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि स्थानीय प्रशासन कितना सजग और जवाबदेह रहता है। भ्रष्टाचार, लापरवाही और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी समस्याएं पहले भी कई सरकारी प्रयासों को विफल कर चुकी हैं। योगी आदित्यनाथ के संकल्प को राजनीति से जोड़कर देखने के भी कारण हैं। जैसा कि उन्होंने खुद कहा था कि राजनीति में समयसीमा होनी चाहिए, लेकिन अगर वे इस संकल्प को 2027 तक भी पूरा करना चाहते हैं तो जाहिर है कि उनका इरादा अगला चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने का है। गुजरात मॉडल की तर्ज पर वे यूपी मॉडल को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं, लेकिन विकास के मानकों पर यूपी को गुजरात जैसा बनाना आसान नहीं है। बहरहाल, यह कहना गलत नहीं होगा कि 'गरीबी हटाओ' का नारा एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार इसे सिर्फ नारे तक सीमित रखने से न तो जनता का भला होगा, न ही योगी आदित्यनाथ की राजनीति को स्थायित्व मिलेगा। अगर वे अपने इस वादे को सच साबित करते हैं तो उत्तर प्रदेश की तस्वीर वाकई बदल सकती है और यूपी मॉडल एक नई मिसाल बन सकता है। लेकिन अगर यह भी एक और राजनीतिक हथियार बनकर रह गया, तो जनता का भरोसा और भी डगमगाएगा। इसीलिए यह समय वादों से आगे बढ़कर उन्हें निभाने का है। यह योगी आदित्यनाथ के लिए सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि उनके पूरे राजनीतिक जीवन की विश्वसनीयता की परीक्षा है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

बर्ड फ्लू से हो रही कौओं की मौत, रिपोर्ट में खुलासा अब स्वास्थ्य विभाग ने गांव में लगाया कैम्प

शहडोल ■

शहडोल जिले के झीक बिजुरी क्षेत्र के मैरटोला करौदी में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही कौओं की मौत के मामले का खुलासा हो गया है। पशु एवं डेयरी विभाग द्वारा राज्य स्तर पर कराई गई जांच के बाद इसका कारण बर्ड फ्लू (एच 5 एन 1) बीमारी का होना सामने आया है। इसके बाद एहतियात के तौर पर जिले का स्वास्थ्य अमला सतर्क हो गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डाक्टर राजेश मिश्रा ने बताया कि जब शासन से इसकी जानकारी जिले के स्वास्थ्य विभाग तक पहुंची तो हमने तत्काल ही इसके लिए एक चिकित्सीय टीम का गठन कर उसे प्रभावित क्षेत्र झींक बिजुरी के लिए रवाना कर दिया है। तीन सदस्यीय चिकित्सीय टीम में जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉक्टर एसडी कंवर, जिला महामारी विशेषज्ञ डॉक्टर अंशुमन सोनारे, डॉक्टर सचिन कार्खुर के अलावा स्वास्थ्य विभाग के मोहम्मद अशरफ शामिल हैं। उक्त टीम द्वारा झींक बिजुरी के बिजुरी टोला समेत अन्य मोहल्ले में कैम्प लगाकर अब स्थानीय ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की जा रही है। यह सब कुछ एहतियात के तौर पर इसलिए किया जा रहा है कि कहीं कौओं के अंदर हुई इस बीमारी का फैलाव इंसानों तक तो किसी माध्यम से नहीं हुआ है। क्योंकि ऐसी बीमारी सामान्यतः पक्षियों में होती है। मुर्गा-मुर्गियों में भी इस बीमारी का प्रभाव होता है। इसलिए स्वास्थ्य अमला सजगता के साथ स्क्रीनिंग कार्य में लग गया है। साथ ही ग्रामीणों को बताया जा रहा है अगर कभी किसी

इंसान के अंदर उक्त बीमारी का कोई असर होता है तो उसे लक्षण के जरिए आसानी से पहचाना जा सकता है। इससे प्रभावित व्यक्ति को बुखार, खांसी, गले व शरीर में दर्द होता है। सीएमएचओ डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि लेकिन इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इससे मानव शरीर में कोई गंभीर अथवा घातक प्रभाव नहीं पड़ता है। विदित हो कि जिले के झींक बिजुरी समेत आसपास के गांवों में बीते कुछ समय से अचानक कौओं की मौत का सिलसिला शुरू हो गया था ,जो अब भी जारी है। इसके बाद स्थानीय निवासियों में हड़कंप मच गया था। अब तक लगभग डेढ़ सौ से अधिक कौओं के मरने की जानकारी सामने आई है। जानकारी सामने आने के बाद पशु चिकित्सा विभाग का अमला गांव पहुचा और मृत कौओं का सैम्पल जांच के लिए भोपाल भेजा था, जहां से राज्य स्तर पर आई जांच रिपोर्ट से कौओं की मौत का कारण बर्ड फ्लू (एच 5 एन 1) होना सामने आया है। इस संबंध में जन शासन स्तर से जिले के स्वास्थ्य विभाग में पत्र आया तो स्वास्थ्य अमला सतर्क हो गया। तत्काल ही सीएमएचओ ने टीम का गठन कर उक्त गांव की ओर रवाना किया ताकि उक्त क्षेत्र में निवासरत ग्रामीणों की स्क्रीनिंग कर उनके स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें सतर्क किया जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर राजेश मिश्रा ने बताया कि हमें जानकारी मिलने के बाद हमने टीम का गठन किया है। जो लगातार कैंप लगाकर लोगों की स्क्रीनिंग कर रही है। गुरुवार को 40 लोगों की स्क्रीनिंग की है। कोई भी मरीज संदिग्ध नहीं मिला है।

इंस्टाग्राम से 10 साल बाद अपनों से मिला बेटा, गलत ट्रेन में चढ़ा

पांढुर्णा ■

पांढुर्णा तहसील के लवाना गांव का रहने वाला लक्ष्मण पंद्रे दस साल पहले रोजगार की तलाश में घर से निकला था। 9 जून 2015 को वह अपने दोस्तों के साथ हैदराबाद जाने के लिए निकला था, लेकिन पांढुर्णा रेलवे स्टेशन पर गलती से एक दूसरी ट्रेन में चढ़ गया। यह ट्रेन उसे सीधा बेंगलुरु ले गई। न भाषा आती थी, न कोई जान-पहचान। बेंगलुरु जैसे बड़े शहर में अकेले पहुंचकर लक्ष्मण पूरी तरह से असहाय था, लेकिन उसने हार नहीं मानी।

काफी मशक्कत के बाद उसे एक होटल में बर्तन धोने का काम मिल गया। यहीं से उसकी जिंदगी की एक नई लड़ाई शुरू हुई। समय के साथ उसने कन्नड़ भाषा सीखी, अपना आधार कार्ड बनवाया और

धीरे-धीरे बेंगलुरु को ही अपना घर बना लिया। उधर, लवाना गांव में परिवार वालों ने उसकी तलाश बंद कर दी थी। उन्हें यही विश्वास हो गया था कि लक्ष्मण अब कभी नहीं लौटेगा। लेकिन किस्मत ने एक नई कहानी लिखी। हाल ही में लक्ष्मण ने एक नया मोबाइल खरीदा और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करना शुरू किया। एक दिन उसे अपनी भतीजी वैशाली का नाम याद आया। उसने इंस्टाग्राम पर वैशाली को सर्च किया और उसकी प्रोफाइल भी मिल गई। फिर उसने मैसेज कर संपर्क साधा। पहले तो परिवार को यकीन नहीं हुआ, लेकिन जैसे-जैसे बात हुई, सब साफ हो गया कि यह वही लक्ष्मण है। परिवार ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी।

मंडला की फिरकी गेंदबाज शुचि का भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन

मंडला ■

मध्य प्रदेश के मंडला की लेफ्ट आर्म स्पिनर शुचि उपाध्याय का भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। बीसीसीआई ने श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के लिए टीम की घोषणा की है। यह सीरीज 27 अप्रैल से 7 मई तक कोलंबो में खेली जाएगी।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम में शुचि को मौका मिला है। गृहनगर मंडला पहुंचने पर शुचि का शानदार स्वागत किया गया। लोगों ने आतिशबाजी की और पुष्प वर्षा की। 'भारत माता की जय' के नारों के बीच आरती उतारी गई। शुचि ने भी ढोल-नगाड़ों की थाप पर साथियों के साथ

नृत्य किया। शुचि ने मंडला के रामलीला मैदान नाव घाट से गली क्रिकेट खेलना शुरू किया। मेकल एकेडमी में उन्होंने अपनी प्रतिभा को निखारा। ओपन टूनामेंट में पुरुष खिलाड़ियों को अपनी फिरकी से परेशान किया। नेशनल सीनियर वुमेन टूनामेंट में सर्वाधिक विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' बनीं। स्थानीय विधायक और पीएचई मंत्री संपतिया उइके ने चिलमन चौक में शुचि का स्वागत किया।

मेडिकल कॉलेज में होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल फेड्रिक की जयंती मनाई गई

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। शहर के सेंधवा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल फेड्रिक हैनीमैन की जयंती मनाई गई। जिसका विधिवत उद्घाटन श्री महेश सोनी ,श्री अशोक तोमर ,श्री बुंदेलाजी , डॉ पुनीत चौहान , प्रिंसिपल डॉ संजय रुद्रे ,डॉ सीमा पाटिल ,डॉ खैरनार के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर और मां सरस्वतीऔर डॉ हैनिमैन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

कार्यक्रम में आस्था भालके, फाल्गुनी कुलकर्णी, अभिषेक पवार इन विद्यार्थियों ने होम्योपैथी का विकास , खराब जीवन शैली से संबंधित रोगों पर होम्योपैथी का उपचार, डॉ हेनमैन की जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री महेश सोनी ने

कहा कि डॉ. हैनीमैन के इस चिकित्सा पद्धति से अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ पहुंचाने का संकल्प लें। वहीं डॉ.पुनीत चौहान ने होम्योपैथिक के प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए कहा कि डॉ. सैमुअल हैनिमैन के हृदय में मानव कल्याण के लिए चाह थी यह चिकित्सा पद्धति उसी का परिणाम है।साथ ही निमाड़ क्षेत्र में होम्योपैथी के प्रचार एवं प्रसार में कॉलेज का योगदान बताया।पूर्व प्राचार्य डॉ प्रसाद द्वारा निमाड़ क्षेत्र में होमियोपैथी चिकित्सा से सफल इलाज की प्रशंसा की गई। डॉ संजय रुद्रे ने बताया कि आज होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से विश्व भर में करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुशल होम्योपैथिक चिकित्सक से इलाज कराने पर पूर्ण रूप से रोग से छुटकारा मिल जाता है। डॉ सीमा पाटिल ने होम्योपैथिक चिकित्सा से अनेक नई बीमारियों का इलाज भी संभव है यह बताया। डॉ नागरे ने होम्योपैथी के बारे में अपने अनुभवों को साझा किया।इस मौके पर विद्यार्थियों के लिए मेडिकल साइंस पर क्विज कंपीटिशन और सोशल मीडिया एडिक्शन और हेल्थ पर पोस्टर मेकिंग कंपीटिशन आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का संचालन मोइन, नोशिया ,आयशा, सानिया,द्वारा किया गया। डॉ निलीमा पवार द्वारा आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर डॉ रेणुका भावसार , डॉ गीता, डॉ सपना जाधव, डॉ सुमतिनाथ जैन, डॉ वैभव, डॉ पूजा, डॉ अमित देहरिया, डॉ श्रीराम मंडलोई, डॉ योगिता,श्री अभय मिश्रा, श्री भावेश हीरे, श्री संतोष यादव, श्री रवि, श्री प्रिंस,श्रीमती कृष्णा, श्रीमती निर्मला एवं समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

निमाड़ क्षेत्र का पहला 500 एम व्ही ए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर ऊजीर्कृत

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने 400 केवी सबस्टेशन जुलवानिया में निमाड़ क्षेत्र का पहला और प्रदेश का तीसरा 500 एम व्ही ए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। इसके पहले मध्यप्रदेश में सिर्फ भोपाल में 500 एम व्ही ए क्षमता के दो ट्रांसफार्मर स्थापित हुए हैं।

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि खंडवा स्थित सिंगाजी सुपर थर्मल पावर प्लांट से निमाड़ क्षेत्र को सीधे विद्युत आपूर्ति के लिए 400 केवी सबस्टेशन जुलवानिया में इस ट्रांसफार्मर की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि लगभग 30 करोड रुपए की अनुमानित लागत से इस ट्रांसफार्मर को स्थापित कर ऊजीर्कृत किया गया है। इस ट्रांसफार्मर के ऊजीर्कृत होने से न केवल निमाड़ क्षेत्र के कृषि उपभोक्ताओं को अगले रबी सीजन में गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति हो सकेगी बल्कि इस ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से क्षेत्र के लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम के लिए भी पर्याप्त मात्रा में विद्युत की उपलब्धता रहेगी। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इस सफलता के लिए एमपी ट्रांसकों को बधाई दी है। एम पी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री राजीव अग्रवाल ने बताया कि इस ट्रांसफार्मर की ऊजीर्कृत होने से निमाड़ क्षेत्र की विद्युत पारेषण व्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। निमाड़ क्षेत्र में एमपी ट्रांसको अपने 59 एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब स्टेशनों के द्वारा विद्युत आपूर्ति करती है। इसमें से 400 के व्ही के 4 सबस्टेशन, 220 के व्ही के 13 एवं 132 के व्ही के 42 सबस्टेशन शामिल है। निमाड़ क्षेत्र की कुल स्थापित क्षमता अब 14304 एम व्ही ए की हो गई है। एम.पी. ट्रांसको की ट्रांसफारमेशन कैपेसिटी हुई 81911 एम.व्ही.ए.- मध्यप्रदेश में एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) अपने 417 सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है। इस क्षमता .वृद्धि से मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की कुल ट्रांसफारमेशन क्षमता बढ़कर 81911 एम.व्ही.ए. की हो गई है । प्रदेश में एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के कुल 1027 पावर ट्रांसफार्मर क्रियाशील है।

लायंस क्लब द्वारा सेवा की अनुठी पहल-फेरी वालों और छोटी दुकानदारों को छातें वितरित किए

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। समाज सेवा में सदैव अग्रणी रहने वाले लायंस क्लब सेंधवा ने एक सराहनीय पहल करते हुए शहर में फेरी वालों और सड़क किनारे छोटी दुकान लगाने वाले जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क हॉकर छातें वितरित किए। यह आयोजन क्लब द्वारा अपनी सेवा गतिविधियों को विस्तार देते हुए किया गया था।

तेज धूप और बरसात से परेशान अपनी रोजी-रोटी कमाने वाले इन मेहनतकश लोगों की

समस्याओं को समझते हुए लायंस क्लब ने यह पहल की। क्लब द्वारा 50 जरूरतमंद लोगों को हॉकर्स छातें दिए गए। लायंस क्लब अध्यक्ष डा.अतुल पटेल ने कहा कि हमारा उद्देश्य ऐसे लोगों की सिर्फ मदद करना ही नहीं बल्कि उनके चेहरे पर मुस्कान लाना भी है जो प्रतिदिन विषम परिस्थितियों से लड़ते हुए अपने घर-परिवार का निर्वाह कर रहे हैं। यह छोटी सी मदद उनके कार्य को आसान बना सके यही हमारी कामना है। सेवा के इस महायज्ञ में लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ अतुल पटेल सहित सचिव निलेश मंगल, पूर्व अध्यक्ष गोपाल तायल, श्याम तायल,क्लब सदस्य महेंद्र जायसवाल, श्यामसुंदर तायल, दीपक राजपाल, अखिलेश दीवान, सौरभ सोनी , डॉ अनूप सक्सेना , डॉ गिरीश कानूनगो , डॉ अतुल शाह , लायन नितेश तायल सहित क्लब के अनेक पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

वक्फ बिल के विरोध में धरना, डायवर्ट रहेगा ट्रैफिक

भोपाल। राजधानी भोपाल में वक्फ बिल के विरोध में गुरुवार को सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में धरना दिया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल रहेंगे।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर पूरे देश में बिल के खिलाफ धरना दिया जा रहा है। दोपहर दो बजे से चार बजे के बीच यह कार्यक्रम होगा। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य और विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि यह विरोध शांतिपूर्वक होगा। जिसके चलते लोगों से अपील की गई कि वे बैनर पोस्टर लेकर धरने में न आए। ट्रैफिक की समस्या और सड़क पर जाम की स्थिति न बने इसके लिए लोगों से कहा गया कि वे चार पहिया से आने से बचें। वक्फ बोर्ड अधिनियम के विरोध में गुरुवार को दोपहर 2 से 4 बजे के बीच सेन्ट्रल लाइब्रेरी परिसर में विरोध सभा होने जा रही है। पुलिस ने यहां के ट्रैफिक के डायवर्जन का प्लान जारी किया। 2 से 4 बजे तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा।

मीडिया, स्त्री और सनसनीः क्या हम न्याय कर पा रहे हैं ?

धोखे की खबरें बिकती हैं, लेकिन विश्वास की कहानियाँ दबा दी जाती हैं — क्या हम संतुलन भूल गए हैं?

मीडिया में स्त्रियों की छवि और उससे जुड़ी सनसनीखेज रिपोर्टिंग ने आज गंभीर सवाल पैदा कर दिये है। कुछ घटनाओं में स्त्रियों द्वारा किए गए अपराधों को मीडिया बढ़ा-चढ़ाकर दिखाता है, जिससे पूरे स्त्री वर्ग की छवि पर नकारात्मक असर पड़ता है। समाज में धोखा और विश्वासघात जैसे मुद्दे दोनों ही लिंगों से जुड़े हैं, लेकिन जब स्त्री पर कोई आरोप लगता है तो मीडिया उसे विलेन बना देता है, जबकि पुरुष अपराधों के लिए अक्सर सहानुभूति जुटाई जाती है। ऐसे समय पर मीडिया को संतुलन, गहराई और जिम्मेदारी के साथ रिपोर्टिंग करनी चाहिए, ना कि टीआरपी के लिए पूर्वग्रह फैलाने चाहिए। साथ ही, पाठकों और दर्शकों को भी समाचारों को विवेक के साथ ग्रहण करने की आवश्यकता है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

सूचना और संचार की इस तीव्र गति वाली दुनिया में मीडिया का प्रभाव जितना व्यापक हुआ है, उतना ही गहरा भी। आज किसी घटना की रिपोर्टिंग केवल सूचना देने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह एक नैरेटिव, एक छवि और कभी-कभी एक पूर्वग्रह को भी जन्म देती है। जब स्त्री से जुड़ी घटनाओं की बात आती है, खासकर तब जब वह विवादास्पद हों—जैसे धोखाधड़ी, झूठे आरोप, या ब्लैकमेलिंग—तो मीडिया का रुख कहीं अधिक सनसनीखेज और पक्षपाती हो जाता है। यह चिंता का विषय है कि हम कब से घटनाओं की रिपोर्टिंग करने की बजाय, पूरे वर्ग को कटघरे में खड़ा करने लगे हैं।

स्त्री और संदिग्धताः नैरेटिव का निर्माण

पिछले कुछ वर्षों में हमने कई ऐसी घटनाएं देखीं जहाँ महिलाओं पर पुरुषों को झूठे मामलों में फँसाने के आरोप लगे। कुछ मामलों में ये आरोप सही भी साबित हुए। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इन गिने-चुने मामलों के आधार पर हर औरत भरोसे के लायक नहीं जैसी सोच विकसित करना जायज है? क्या यह सही है कि मीडिया इन घटनाओं को इस तरह प्रस्तुत करे कि पूरा समाज स्त्रियों की नीयत पर शक करने लगे? वास्तव में यह सोच एक लंबे समय से पनप रही उस मानसिकता का हिस्सा है जो स्त्री को या तो देवी के रूप में पूजती है या खलनायिका के रूप में ठुकराती है—बीच का कोई स्थान नहीं।

मीडिया की भाषा और हेडलाइंस का खेल

आप जब भी अखबार की सुर्खियाँ देखें या न्यूज चैनलों की हेडलाइन सुने, तो एक बात स्पष्ट नजर आती है—स्त्री से जुड़ी घटनाओं को ज्यादा उत्तेजक, भावनात्मक और आकर्षक तरीके से पेश किया जाता है। उदाहरण के लिए- प्रेमिका निकली सौतन की हत्यारिन! महिला टीचर ने छात्र से बनाए शारीरिक संबंध! बीवी ने पति को प्रेमी संग मिलकर मरवाया! ऐसी खबरें समाज में एक खास सोच को मजबूत करती हैं कि स्त्रियां कपटी, चालाक और अवसरवादी होती हैं। जबकि हकीकत यह है कि पुरुषों द्वारा किए गए अपराधों को इतनी सनसनी के साथ नहीं दिखाया जाता। वहाँ मानसिक तनाव, पारिवारिक दबाव या सामाजिक अस्वीकृति जैसे कारण खोज लिए जाते हैं।

'विक्टिम' या 'विलेन': स्त्री की दोहरी छवि

मीडिया अक्सर स्त्री को या तो पूरी तरह पीड़िता के रूप

में दिखाता है, या फिर पूरी तरह अपराधिनी के रूप में। लेकिन हकीकत इससे कहीं अधिक जटिल है। हर महिला जो धोखा देती है, वह स्वाभाविक रूप से 'बुरी' नहीं होती, और हर महिला जो पीड़ित है, वह स्वाभाविक रूप से 'पवित्र' नहीं होती। इंसानी व्यवहार कई सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक कारकों से बनता है। जब मीडिया इन पहलुओं की उपेक्षा करके केवल एक सनसनीखेज चेहरा दिखाता है, तो वह सच्चाई को तोड़-मरोड़कर पेश करता है।

कुछ चर्चित उदाहरणों की भूमिका

हाल के वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए जिन्होंने इस विषय को और जटिल बना दिया। जैसेः फर्जी यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर ब्लैकमेलिंग का मामला महिला द्वारा पति को फँसाकर तलाक और संपत्ति हथियाने की कोशिश। सोशल मीडिया पर फेमिनिज्म का इस्तेमाल करके जनभावनाओं का दोहन। इन घटनाओं का मीडिया में खूब प्रचार हुआ, लेकिन इनसे जुड़ी कानूनी प्रक्रिया, जांच के निष्कर्ष, या महिला के पक्ष की गहराई से पड़ताल शायद ही कभी दिखाई गई।

क्या पुरुष वर्ग पूर्णतः निर्दोष है?

यह बात मानना भी गलत होगा कि पुरुष वर्ग सदैव पीड़ित होता है। सैकड़ों-हजारों महिलाएं आज भी घरेलू हिंसा, बलात्कार, यौन उत्पीड़न और मानसिक शोषण की शिकार हैं। हर साल महिला सुरक्षा से जुड़े आंकड़े भयावह तस्वीर पेश करते हैं। ऐसे में यदि कुछ मामलों में महिलाएं दोषी पाई जाती हैं, तो उससे पूरे स्त्री वर्ग को कठघरे में खड़ा कर देना न केवल अन्याय है, बल्कि सामाजिक संतुलन के लिए भी खतरनाक है।

मीडिया की भूमिकाः जिम्मेदारी बनाम व्यवसाय

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है, लेकिन जब यह स्तंभ टीआरपी की दौड़ में नैतिकता भूल जाए, तो समाज की नींव डगमगाने लगती है। पत्रकारिता का काम सूचना देना है, विचार बनाना नहीं। लेकिन आज मीडिया अक्सर मूड बनाता है, मत गढ़ता है, और फैसला सुनाता है। यह प्रवृत्ति न्याय व्यवस्था से भी आगे निकलने का दावा करती है—जिसे हम 'मीडिया ट्रायल' कहते हैं।

सोशल मीडियाः आग में घी

जहाँ मुख्यधारा मीडिया की सीमाएं हैं, वहीं सोशल मीडिया ने तो हर किसी को जज बना दिया है। व्हाट्सएप फॉरवर्ड, ट्विटर ट्रेंड और इंस्टाग्राम रील्स—हर जगह स्त्री के चरित्र और नीयत पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हर औरत गोल्ड डिगर है, औरतें सिर्फ फायदे के लिए प्यार करती हैं, जैसे जुमले सोशल मीडिया पर सामान्य हो चुके हैं। यह माहौल केवल स्त्रियों के लिए नहीं, बल्कि युवा पुरुषों के लिए भी हानिकारक है जो रिश्तों में भरोसे की जगह शक लेकर आते हैं।

न्याय की बुनियादः व्यक्तिगत नहीं, संस्थागत सोच

हमारे समाज की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि हम एक घटना से पूरे वर्ग के लिए निष्कर्ष निकाल लेते हैं। किसी महिला ने धोखा दिया, इसका अर्थ यह नहीं कि हर महिला अविश्वसनीय है। उसी तरह एक पुरुष बलात्कारी निकला तो हर पुरुष को संदेह की नजर से नहीं देखा जा सकता। हमें घटना और व्यक्ति को उनके सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में देखने की आदत डालनी होगी।

संतुलन की ओर एक आग्रह

आज जब मीडिया समाज की सोच को तय कर रहा है, तब पत्रकारों, संपादकों और न्यूज रूम्स की जिम्मेदारी कहीं अधिक है। उन्हें यह तय करना होगा कि वे सच दिखा रहे हैं या सच बेच रहे हैं। साथ ही, हमें—दर्शकों, पाठकों और नागरिकों को—भी यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि हम हर खबर पर आँख मूँदकर विश्वास न करें। समाज तब ही संतुलित रहेगा जब हम स्त्री और पुरुष दोनों को इंसान समझें—गुणों, दोषों, भावनाओं और सीमाओं के साथ। मीडिया अगर इस संतुलन को नहीं समझेगा, तो वह सूचना का वाहक नहीं, बल्कि पूर्वग्रह का प्रसारक बन जाएगा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

राज्यपालों द्वारा संवैधानिक शक्ति का दुरुपयोग कार्यवाही क्यों नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसला दिया है, जिसमें राज्यपालों के अधिकारों की संवैधानिक सीमा पर विवेचना की है। सुप्रीम कोर्ट के न्याय मूर्ति जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की खंडपीठ ने तमिलनाडु की अपील पर फैसला सुनाते हुए कहा, राज्यपाल के पास संविधान का कोई वीटो पावर नहीं है। राज्यपाल द्वारा 10 विधेयकों को रोक कर रखा गया था।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल आर एन रवि को कड़ी फटकार लगाई है। संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत शक्तियों का उपयोग करते हुए उसी तिथि से विधेयक पारित करने के आदेश दिए गए हैं। ये विधेयक राज्यपाल के पास 2020 से 2023 के बीच में भेजे गए थे, जिन पर स्वीकृति नहीं दी गई थी। अधिकतर विधेयक राज्य विश्वविद्यालय के कुलपतियों की नियुक्तियों से संबंधित थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, संविधान निमार्ताओं ने राज्यपाल की भूमिका एक बुद्धिमान संवैधानिक प्रमुख के रूप में की थी। राज्यपाल को राज्य सरकार की सलाह पर काम करने की जिम्मेदारी दी गई है। राज्यपाल के पास विधेयक रोकने का कोई वीटो अधिकार नहीं है। राज्यपाल का फैसला गैरकानूनी और मनमाना है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में राज्यपाल की भूमिका विधेयक के संबंध में तय कर दी है। राज्यपाल को बिल पर आपत्ति है तो राज्यपाल आपत्ति के साथ एक माह के अंदर राष्ट्रपति को भेजें। राज्यपाल किसी बिल पर सहमत नहीं है तो 3 माह के अंदर विधानसभा को वापस लौटाएं। विधानसभा से दूसरी बार बिल पारित हो जाता है तो ऐसी स्थिति में राज्यपाल को मंजूरी देनी ही होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया है, कि राज्यपाल का पद न्यायिक समीक्षा के अंतर्गत है। राज्यपाल को विधानसभा और सरकार की मंत्री परिषद की सलाह पर काम करने की संवैधानिक बाध्यता है। जस्टिस पारदीवाला ने अपने आदेश में राज्यपाल की भूमिका को मार्गदर्शी के रूप में बताया है। संविधान राज्यपाल को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में काम करने की अनुमति नहीं देता है। उन्होंने अपने आदेश में यह भी लिखा, संविधान कितना भी अच्छा हो यदि इसे लागू करने वाले अच्छे नहीं हैं तो यह बड़ा ही गलत साबित होगा। पिछले कुछ वर्षों में राज्यपालों की भूमिका को लेकर लगातार विवाद की स्थिति बनी रही। महाराष्ट्र में जिस तरह से राज्यपाल ने निर्वाचित सरकार को गिराने में अहम भूमिका का निर्वाह किया था सुप्रीम कोर्ट ने उसे असंवैधानिक माना था। उसके बाद भी सुप्रीम कोर्ट का आधा अधूरा आदेश होने से ना तो वहां की सरकार बहाल हुई ना ही तत्कालीन राज्यपाल पर कोई कार्यवाही की गई। उसके बाद से पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, दिल्ली इत्यादि राज्यों में जहां केंद्र सरकार से इतर विपक्षी दलों की सरकारें थीं वहां के राज्यपालों ने वहां की सरकारों को काम करने से एक तरह से रोकने का काम किया। केंद्र की सरकार के इशारे पर काम करते हुए केंद्र के प्रतिनिधि बनकर राज्यपाल राजनीतिक उपकरण बन गए थे। वहीं भ्रष्टाचार के भी आरोप राज्यपालों पर लगने लगे। राज्यों के विश्वविद्यालय में कुलपति और प्रोफेसर की नियुक्ति में भारी लेनदेन के आरोप लगने लगे थे। पंजाब के सात विधेयक, तमिलनाडु के 10 विधेयक, पश्चिम बंगाल के 23 विधेयक और दिल्ली सरकार के कई विधेयक राज्यपालों ने रोक रखे थे। दिल्ली सरकार में राज्यपाल की भूमिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जब निर्णय दिया तो केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण सुप्रीम कोर्ट के आदेश को ही बदल दिया था। पिछले वर्षों में सुप्रीम कोर्ट में विभिन्न याचिकाओं में प्रमाणित हो चुका है, कि राज्यपालों ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया है, लेकिन किसी भी राज्यपाल के खिलाफ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग करने पर किसी भी राज्यपाल के ऊपर पद से हटने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की है। महाराष्ट्र का मामला तो बिल्कुल अनूठा था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि सरकार को गलत तरीके से गिराया गया है।

बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुड़े.जीवन-संकट...

-ललित गर्ग- | लेखक

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है।

ग्लोबल हेराल्ड

राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पूराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थन के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्त्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ह्यतीसरा ध्रुवह्न कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति ह्यलिटल आइस एजह्न के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा। दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगहों पर धारा 144 लागू करना इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

फीस के नाम पर जेब पर डाका डाल रहे निजी स्कूल

स्कूलों में नया सत्र शुरू हो गया है ' छोटे - छोटे बच्चों के स्कूल जाने की बड़ी - बड़ी चिंताएं पैरेंट्स के चेहरों पर साफ तौर पर देखी जा सकती हैं ' ये विकसित भारत के रास्ते पर बढ़ते हुए नए भारत की नई इबारत है जो बच्चों की पढ़ाई के नाम पर जमकर लूटकर लिखी जा रही है ' हम दूसरों के उदहारण बताते रहते हैं दर-असल मेरे भतीजे के लिए नए स्कूल का चुनाव बड़ा कठिन था क्योंकि सुविधाओं के नाम पर प्राईवेट स्कूलों में पढ़ाई की फीस के नाम पर डाका ड़ाला जा रहा है ' हमारे 04 साल के भतीजे के स्कूल में एडमिशन फीस 35 हजार लिए गए ' वहीँ 08 साल के बच्चे के एडमिशन के लिए 50 हजार लिए गए ' इसको फीस के नाम पर डाका क्यों न कहा जाए ? हमारे देश में अधिकांश लोग मुशकि ल से रोजी - रोटी कमा पाते हैं, अब सवाल ये उठता है कि जब देश की अधिकांश जनता अभी आर्थिक रूप से कमजोर है तो क्या ये स्कूल गरीबों के मखौल उड़ाने के लिए खुले हैं? इन स्कूलों में ऐसा क्या पढ़ाया जाता है कि 05 साल के बच्चों की फीस 50 हजार रुपए उगाह ली जाती है ' किसी किसी स्कूलों में तो ये फीस लाखों में है ' जबकि इन्हीं स्कूलों के अध्यापकों की फीस देखा जाए तो ज़्यादा से ज़्यादा 20-25 हजार होती है ' सरकारी स्कूल के अध्यापकों की सैलेरी लाखों में है वहीँ प्राईवेट स्कूलों के अध्यापक कुछ ही हजार रुपए में गुजर - बसर कर रहे हैं ' सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले अध्यापकों के बच्चे प्राईवेट स्कूलों में पढ़ते हैं जबकि प्राईवेट स्कूलों में पढ़ाने वाले अध्यापकों के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं ' सोचकर देखा जाए तो समझ आता है कि शिक्षा के नाम पर देश के लोगों का कितना कबाड़ा बनाया जा रहा है ' अध्यापकों सहित पूरे देश को पता है कि सरकारी स्कूलों में ढंग से पढ़ाई ही नहीं होती, तो वे अपने बच्चों को क्यों पढ़ाएं ! क्योंकि उन्हें पता है कि वे क्या पढ़ा रहे हैं ' सरकारी स्कूलों में जो थोड़ा बहुत ढंग के अध्यापक होते हैं तो उनसे तरह - तरह के सर्वे कराए जाते हैं ' जैसे कहीं पोलियो कहीं टीका, कहीं जानवरों की गणना तो कहीं जानवरों का बीमा कराया जाता है ' और बांकी वोटिंग कराने में व्यस्त रहते हैं ' अब पढ़ाई कब होगी? हमारे देश को इस सिस्टम ने अंधेर नगरी में तब्दील कर दिया है '

सबसे प्रमुख बात प्राईवेट स्कूलों में सरकार एवं बड़ी - बड़ी संस्थाएं उन्हें मान्यता, रजिस्ट्रेशन दे देती हैं फिर कभी झांकने नहीं जातीं ' जब प्राइवेट स्कूलों में नहीं जाते तो सरकारी स्कूलों में भला कौन जाता होगा ' स्कूलों के लिए एक नियमावली बनना चाहिए कि कितनी फीस हो सकती है, एक पाठ्यक्रम होना चाहिए हर स्कूल अपना पाठ्यक्रम खोलकर बैठा हुआ है! शिक्षा विभाग हाथों में मेहंदी लगाकर क्यों बैठा है! प्राईवेट स्कूलों में बच्चों को पढ़ाओ तो क्या यह भी नियम होना चाहिए कि बच्चों की स्कूल ड्रेस, किताबें सामाग्री सबकुछ स्कूलों ऐ क्यों खरीदा जाए? स्कूल चला रहे हैं या मार्केट? हालांकि पूरी तरह उनका दोष नहीं है क्योंकि शिक्षा विभाग ने पूरी तरह से उन्हें लूटने के लिए छोड़ रखा है, और प्राईवेट स्कूलों वाले जमकर लोगों को लूट रहे हैं ' ये तो हद ही हो गई है हमारे एक मित्र अपने बच्चों की किताबें लाएं हैं और किताबें आई हैं 14 हजार 635 रुपये की...किताबें कागज की ही हैं या चांदी का वर्क लगा है? समझ नहीं आ रहा पुस्तकों एवं शिक्षा के नाम पर ये लूट पाट कब बंद होगी? कब लगाम लगेगी ' प्रशासन स्कूलों के खिलाफ मुकम्मल कार्रवाई नहीं कर रहा जिससे उनके इरादे बुलंद होते जा रहे हैं। अभिभावकों के लिए बढ़ी फीस अदा करना चुनौती के समान है। ट्यूशन फीस, स्कूल मेनटेनेंस फीस, इंटरनेट फीस सहित विभिन्न मदों में निजी स्कूलों ने अपनी सुविधा के अनुसार बढ़ोतरी की है। कुल मिलाकर फीस में पंद्रह से बीस फीसद तक का इजाफा किया गया है। जिन अभिभावकों के दो या तीन बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं, उनकी परेशानी बढ़ गई है। सेंट्रल बोर्ड आफ सेकेंड्री एजुकेशन (सीबीएसई) के द्वारा हर स्टेट में एक एडमीशन एंड फी रेगुलेटरी कमेटी का गठन किया जाता है। कमेटी की जिम्मेदारी होती है कि वह हर वर्ष यह तय करेगी कि स्कूलों में कितनी फीस बढ़ाई जाए। लेकिन स्कूल अपनी मनमर्जी दिखाते हुए फीस बढ़ाते हैं। यही कारण है कि स्कूलों के द्वारा बढ़ाई गई फीस अलग-अलग है। कोई नियम कानून नहीं है। फीस में हर वर्ष हजारों रुपये की बढ़ोतरी कर स्कूल अपनी जेब भर रहे हैं। आम आदमी अपने बच्चों को किस प्रकार पढ़ा रहा है स्कूलों को इससे कोई लेना देना नहीं है। सैलरी डेढ़ दो हजार रुपये बढ़ती है। स्कूल में बच्चों की फीस हजारों रुपये तक बढ़ गई है। ऐसे में परेशानी बढ़ गई है। प्रशासन को चाहिए करोड़ों अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करे। जिन अभिभावकों के दो बच्चे निजी स्कूल में पढ़ रहे हैं। उनकी परेशानी सबसे अधिक बढ़ गई है। प्रशासन को चाहिए कि निजी स्कूलों पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाए। बच्चों की फीस देने के लिए अभिभावक अपने दूसरे खर्चों में कटौती करने को विवश हैं। अभिभावकों की जेब काटकर स्कूल अपनी जेब भर रहे हैं। इस पर सरकार को नियम बनाना चाहिए। साथ ही आदेश पारित होना चाहिए कि सरकारी स्कूल में पढ़ाने वालों के बच्चे अब प्राईवेट स्कूलों में नहीं पढ़ पाएंगे ' जब सरकारी स्कूल के कर्मचारियों के बच्चे केवल सरकारी स्कूलों में पढ़ेंगे तो गुणवत्ता में सुधार होगा और प्राइवेट स्कूलों में कुछ दबाव कम होगा जिससे उनकी दादागिरी कुछ कम होगी ' साथ ही सरकारी स्कूल के अध्यापकों से अनावश्यक काम न लिए जाएं जिससे अध्यापक बहाना न करें! साथ ही प्राईवेट स्कूलों में अध्यापकों की वेतन में कुछ बढोत्तरी होना चाहिए ' साथ ही देश के अध्यापकों को एवं स्कूल चलाने वालों को नैतिकता नहीं त्यागना चाहिए आप शिक्षा से जुड़े हुए हैं कृपया डाका मत डालें ' हमारे मुल्क में लोग सख्ती से ही सुधरते हैं इस समस्या का समाधान जल्द ही होना चाहिए अन्यथा ये एकदिन विकराल रूप धारण कर लेगी! हालांकि अब तो कर भी चुकी है।

दिलीप कुमार पाठक
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

निराशा से होती है हार...

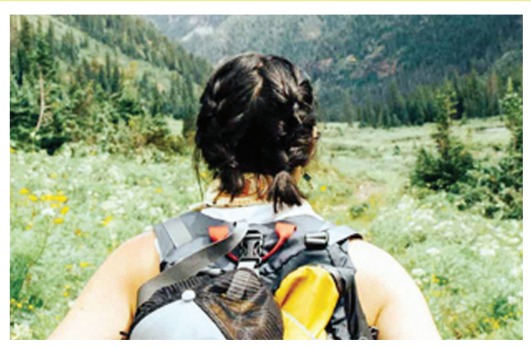

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अहश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है।

इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

महिंद्रा ने 20 दिन में 3000 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी पूरी की

महिंद्रा ने नए ग्राहकों के लिए डिफॉल्ट ड्राइव मोड नामक एक विशेष मोड पेश किया

कोलकाता ■

वाहन निमार्ता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए अपनी नई ऑल-इलेक्ट्रिक ओरिजिन स्पोर्ट्स यूटिलिटीज व्हीकल (एसयूवी) एक्सईवी 9ई और बीई6 की 3000 से अधिक इकाई की डिलीवरी पूरी कर ली है। ग्राहकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते, दोनों मॉडलों की बुकिंग तेजी से बढ़ रही है।

ग्राहकों की अधिकांश ने पैक थ्री वैरिएंट को चुना है। कंपनी के अनुसार, एक्सई9ई की कुल मांग का 59 प्रतिशत हिस्सा है जबकि बीई6 के लिए 41 प्रतिशत ग्राहक इच्छुक हैं। इन मॉडलों की प्रतीक्षा अवधि कई क्षेत्रों में छह महीने तक पहुंच गई है। इस बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, महिंद्रा देशभर में डिलीवरी बढ़ाने और ग्राहकों को सहज अनुभव देने के लिए अपने वितरण नेटवर्क को सशक्त बना रही है। महिंद्रा ने ईवी अपनाने वाले नए ग्राहकों के लिए डिफॉल्ट ड्राइव मोड नामक एक विशेष मोड पेश किया है। साथ ही, हर डिलीवरी के साथ ग्राहकों को एक क्यूरेटेड वीडियो गाइड भी दिया जा रहा है, जिसमें ईवी चार्जिंग के स्मार्ट तरीके, ड्राइविंग तकनीकें और कनेक्टेड फीचर्स का विस्तृत वॉकथ्रू शामिल है।

भारत-अमेरिका ट्रेड में लंबी अवधि का नजरिया रखें निर्यातकः पीयूष गोयल

नई दिल्ली ■

नए व्यापार क्षेत्रों में उभरते हुए चुनौतियों के बीच केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने निर्यातकों को भारत-अमेरिका ट्रेड में नजरिया बनाए रखने का सुझाव दिया है। उन्होंने एक बैठक में एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और उद्योग बॉडीज के साथ चर्चा की जिसमें आधुनिक व्यापार परिदृश्य और विपरीत समय के अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। गोयल ने उद्यमिता और संभावित रूप से दूरदराज निर्यातकों को बताया कि सरकार उभरती व्यापार वातावरण में सकारात्मक योजनाओं का समर्थन करेगी। उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 में अधिकतम निर्यात

का लक्ष्य विशेष ध्यान देने के साथ बताया और मान्यता दी कि यह उपलब्धि कई संदेश और संधियों के बावजूद संभव हो सकी है। बैठक के माध्यम से, निर्यातकों को व्यापारिक समझौतों के महत्व और भारत-अमेरिका के बीच चल रहे मुद्दों पर गहराई से चर्चा करने का भी मौका मिला। इस समय में व्यापारिक वातावरण में उभरती चुनौतियों का मुकाबला किया जाएगा, सरकार ने निर्यात उद्योग की समर्थन के प्रति अपनी पहल की पुष्टि की है।

भारत-बांग्लादेश ट्रांसशिपमेंट सुविधा की वापसी से बढ़ेगा तनाव

नई दिल्ली। भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों में तनाव की चिंता बढ़ रही है जब भारत ने अपने बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से बांग्लादेश को पारगमन सुविधा वापस ले ली। इस पारगमन सुविधा का उपयोग करने के लिए बांग्लादेश को इसे और देशों को निर्यात के लिए उपयोग करने का अधिकार था। यह कदम बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के और भारत के बीच तनाव में और खिंचाव में आया है। भारत ने इस पारगमन सुविधा को नेपाल और भूटान को छोड़ दिया है, जिसे विश्व व्यापार संगठन की मान्यताओं के अनुसार पारित किया गया है। यह नया आंकड़ा भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक नया चुनौतीपूर्ण पहले है। इसे लेकर अनेक राजनैतिक और आर्थिक मसले हो सकते हैं जो इन दोनों देशों के बीच समझौते को प्रभावित कर सकते हैं।

किआ मोटर्स के पेनकोंडा प्लांट में 900 इंजनों की चोरी का खुलासा

मुंबई ■

किआ मोटर्स इंडिया के पेनकोंडा स्थित प्लांट से हाल ही में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बीते पांच वर्षों में लगभग 900 कार इंजन चोरी हो गए हैं जिसका खुलासा कंपनी के ऑडिट में हुआ। पुलिस ने मामले में तुरंत जांच शुरू की है और शक्तिशाली दोषियों की तलाश में है। किआ मोटर्स ने किसी भी दोषी कर्मचारी और अंदरूनी संगठन को बचाने के लिए पुलिस से सहायता मांगी है। इस मामले में प्रमुख संदेह है कि इंजनों की चोरी किसी भी अन्य संगठन से नहीं हुई है, बल्कि कंपनी के अंदरी कर्मचारियों के साथ साझेदारी में किया गया है। इस

बीच किआ मोटर्स ने इस मामले में सार्वजनिक रूप से कोई बयान देने से इनकार किया है, हालांकि कंपनी ने यह जरूर स्पष्ट किया कि चोरी की इस घटना से उनके उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ा है। किआ मोटर्स हर साल तीन से चार लाख कारों का निर्माण करती है, इसलिए 900 इंजन की चोरी से उनके प्रोडक्शन में कोई रुकावट नहीं आई। फिर भी यह घटना कंपनी की आंतरिक सुरक्षा और निगरानी पर सवाल खड़े करती है।

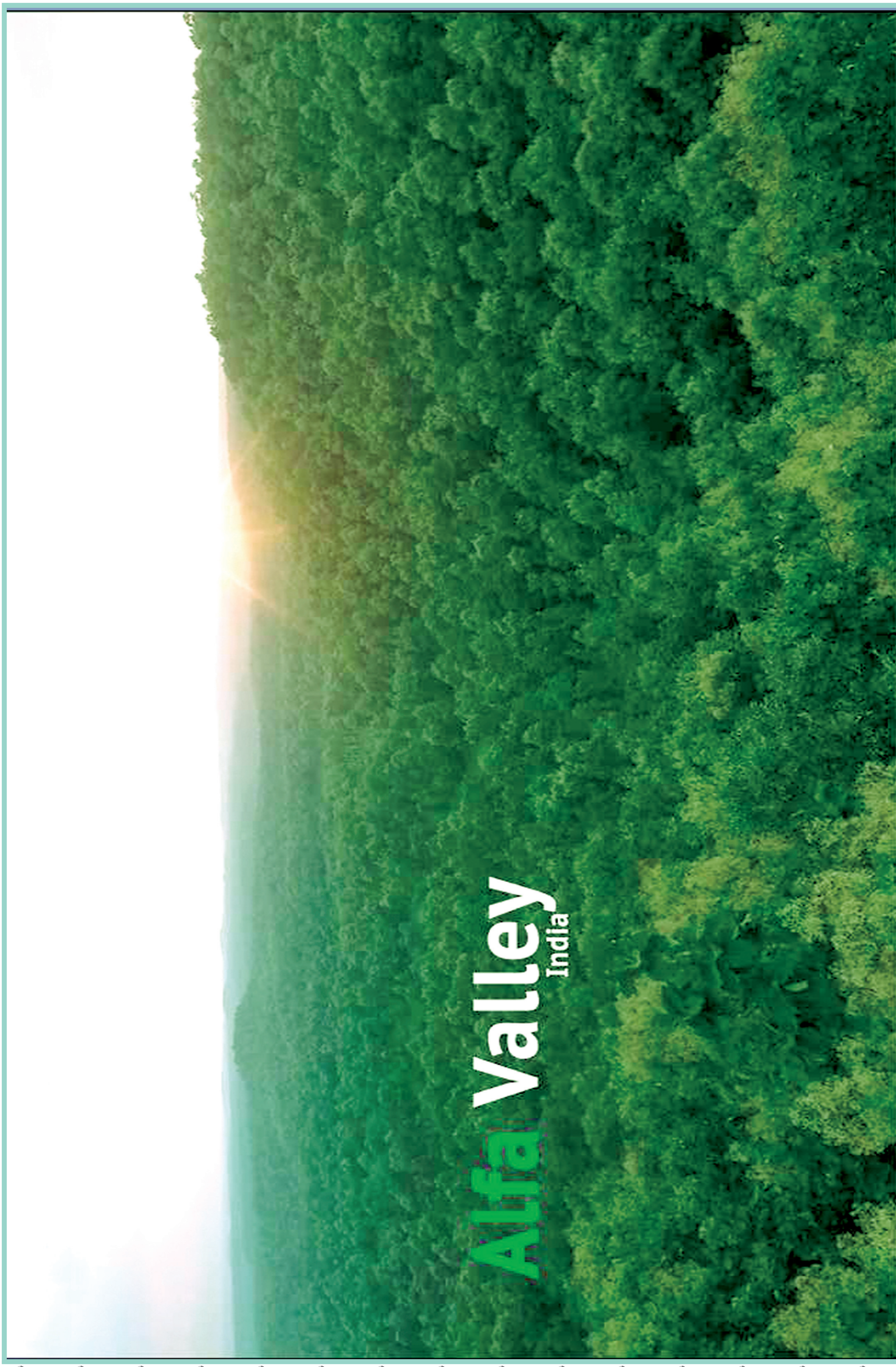
Alfa Valley
India

मनोरंजन

29वें जन्मदिन को रश्मिका मंदाना ने खास अंदाज में किया सेलिब्रेट

अपने 29वें जन्मदिन को बालीवुड एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। अपनी बर्थडे डायरी सोशल मीडिया पर शेयर की। एक्ट्रेस रश्मिका ने ओमान की खूबसूरत बीच लोकेशन पर जन्मदिन मनाया और अपनी डायरी के जरिए उन लम्हों को अपने चाहने वालों के साथ साझा किया। उन्होंने नीले रंग की प्रिंटेड ड्रेस पहन रखी थी और खुले बिखरे बालों में बेहद प्यारी लग रही थीं। डायरी की शुरुआत उन्होंने एक खूबसूरत कोट से की - कोई भी उपलब्धि छोटी नहीं होती, इसलिए हर छोटी जीत का जश्न मनाएं। रश्मिका ने आगे लिखा कि कैसे हर छोटी-बड़ी खुशी को सेलिब्रेट करना चाहिए - फिर चाहे वो पॉकेट मनी मिलना हो या शादी, परीक्षा पास करना हो या चोट से उबरकर दोबारा दौड़ना। उन्होंने लिखा, हर चीज का जश्न मनाएं - हर छोटी जीत काज क्योंकि कुछ भी छोटा नहीं होता। अपने जन्मदिन की झलकियों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि दिन की शुरुआत एक अच्छे लेग वर्कआउट से हुई, फिर सरप्राइज ब्रेकफास्ट मिला। इसके बाद उन्हें आरामदायक मसाज दिया गया, जिसे लेकर उन्होंने मजाक में कहा कि वह 'बेहोश' हो गईं।

एयर कंडीशनर ब्रांड के विज्ञापन में नजर आए रणवीर-दीपिका

बालीवुड के हॉट कपल में शुमार दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की जोड़ी हाल ही में एक एयर कंडीशनर ब्रांड के विज्ञापन में नजर आई, जिसमें दोनों की दिलचस्प केमिस्ट्री ने दर्शकों का ध्यान खींचा। दोनों ने बेटी के जन्म के बाद पहली बार एक साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया है। इस विज्ञापन में रणवीर बड़े ही मज़ेदार अंदाज़ में बताते हैं कि उनकी पार्टी में आए मेहमान दीपिका के स्वादिष्ट खाने या उनकी रोचक बातों के बजाय, उनके घर के एसी की तारीफ कर रहे थे। इस पर जब दीपिका नाराज होती हैं, तो रणवीर उन्हें यह कहकर मनाते हैं कि उन्होंने यह एयर कंडीशनर असल में उनके लिए ही खरीदा था। इस विज्ञापन के साथ ब्रांड ने लिखा, गुड लुक्स, गुड लुक्स और गुड लुक्स, जो इस जोड़ी की लोकप्रियता और आकर्षण को बखूबी बयां करता है। रणवीर-दीपिका की कैमिस्ट्री हमेशा से ही दर्शकों को पसंद आती रही है और इस ऐड में भी उनका वही पुराना जादू देखने को मिला। रणवीर और दीपिका को आखिरी बार साथ में रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था, जिसमें दीपिका ने शक्ति शेट्टी उर्फ लेडी सिंघम की दमदार भूमिका निभाई थी, जबकि रणवीर ने 'सिम्बा' के अपने मशहूर किरदार को दोहराया था। इस मल्टीस्टारर फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, करीना कपूर, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे बड़े नाम भी शामिल थे। इससे पहले भी यह जोड़ी 'गोलियों की रासलीला राम-लीला', 'बाजीराव मस्तानी', 'पद्मावत' और '83' जैसी फिल्मों में साथ नजर आ चुकी है। इनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को हमेशा से ही खूब सराहा गया है।

'कुली' 2025 बड़े पर्दे पर तहलका मचाने को तैयार

अपकमिंग फिल्म 'कुली' 2025 में बड़े पर्दे पर तहलका मचाने को तैयार है। साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड और लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी यह एक्शन से भरपूर फिल्म अब 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दिन ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की बिग बजट फिल्म 'वॉर 2' भी रिलीज हो रही है, जिससे साल 2025 का सबसे बड़ा बॉक्स ऑफिस क्लैश तय माना जा रहा है। इस महाक्लैश की तुलना साल 2023 में शाहरुख खान की 'डंकी' और प्रभास की 'सालार' के टकराव से की जा रही है। रजनीकांत की फिल्म 'कुली' का निर्माण सन पिक्चर्स कर रही है, जिसने हाल ही में इसका एक जबरदस्त पोस्टर रिलीज किया। पोस्टर में रजनीकांत बेहद इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं, उनके सिर से खून बह रहा है और वह सीटी बजाते दिख रहे हैं। इस फिल्म में तेलुगू सिनेमा के मेगास्टार नागार्जुन, कन्नड़ इंडस्ट्री के उपेंद्र, मलयालम एक्टर सोबिन शाहिर और सीनियर एक्टर सत्यराज जैसे सितारे भी नजर आएंगे। सूत्रों की मानें तो फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान भी कैमियो करते दिख सकते हैं, हालांकि इस बारे में अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 'कुली' का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है और यह रजनीकांत के करियर की 171वीं फिल्म होगी। इसकी कहानी सोने की तस्करी के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसमें जबरदस्त एक्शन और थ्रिल का तड़का लगाया गया है। दूसरी तरफ, 'वॉर 2' को अयान मुखर्जी ने निर्देशित किया है और यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है। जूनियर एनटीआर विलेन के रोल में दिखेंगे, जबकि ऋतिक रोशन एक बार फिर एजेंट कबीर की भूमिका में नजर आएंगे।

LITTAL®

www.pramodmarutiparts.com

लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट खेला जाएगा:15-15 खिलाड़ियों के साथ उतरेंगी 6-6 टीमें

15-15 मेंबर्स स्क्वॉड चुन सकती हैं टीमें

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ओलिंपिक गेम्स 2028 में क्रिकेट के मेंस और विमेंस दोनों ही कैटेगरी में कुल 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी। इसका ऐलान इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (आईओसी) ने बुधवार को किया। दोनों कैटेगरी में सभी छह टीमें अपने-अपने स्क्वॉड में 15 मेंबर्स चुन सकती हैं। ओलिंपिक में क्रिकेट को पिछले साल शामिल किया गया था। इसमें क्रिकेट के टी-20 फॉर्मेट को चुना गया है।

ओलिंपिक में क्रिकेट केवल एक बार खेला गया

ओलिंपिक में क्रिकेट केवल एक बार शामिल हुआ था। ओलिंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी होगी। इससे पहले क्रिकेट 1900 के पेरिस ओलिंपिक में शामिल हुआ था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया था। ग्रेट ब्रिटेन ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर मेडल जीता था। दोनों टीमों के बीच केवल एक ही मैच खेला गया था और इसी मैच को फाइनल घोषित कर दिया गया था।

कॉमनवेल्थ में दो बार खेला गया क्रिकेट

क्रिकेट कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया है। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली। 2023 एशियन गेम्स में भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में अपनी टीमें भेजीं और दोनों में भारत ने गोल्ड मेडल जीता।

क्वालिफिकेशन प्रोसेस के बारे में अब तक जानकारी नहीं

क्रिकेट इवेंट्स किस वेन्यू पर खेले जाएंगे, फिलहाल इसका ऐलान नहीं हुआ है। हालांकि न्यूयॉर्क मैचों की मेजबानी करने की रेस में है। अभी तक 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रोसेस के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा।

351 मेडल इवेंट्स होंगे

2028 ओलिंपिक में कुल 351 मेडल इवेंट्स होंगे, जो पेरिस 2024 के 329 इवेंट्स से 22 ज्यादा हैं। कुल एथलीटों की संख्या 10,500 रखी गई है। इनमें 5,333 विमेंस और 5,167 मेंस एथलीट शामिल हैं।

विनेश की तरह ओलंपिक के लिए वजन घटाएंगी लवलीना बोरगोहेन?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टोक्यो ओलंपिक में भारत को मुक्केबाजी में पदक दिलाने वाली भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन भी अब अपने भारवर्ग में बदलाव करने पर विचार कर रही हैं। उन्होंने अपना वजन वर्ग घटाने का सोचा है। वह 75 किग्रा भार वर्ग की जगह 70 किग्रा वर्ग में जाने पर विचार कर रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए उनके मौजूदा 75 किग्रा भार वर्ग को खत्म कर दिया है। इससे पहले 2024 पेरिस ओलंपिक में भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने भी भारवर्ग में बदलाव कर अपने नियमित वजन से कम वजन वाले भारवर्ग में हिस्सा लिया था। बाद में उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा पाया गया था और उन्हें फाइनल में पहुंचने के बावजूद पदक से हाथ धोना पड़ा था। उन्होंने फाइनल वाले दिन वजन घटाने की काफी कोशिश की थी, लेकिन नहीं घटा सकी थीं।

आईओसी ने किए हैं बड़े बदलाव

आईओसी ने बुधवार को ओलंपिक 2028 के लिए कार्यक्रम और खिलाड़ियों के कोटा की घोषणा की। नए बदलाव के कारण लवलीना को या तो 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा या 80 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में अपना भाग्य आजमाना होगा। इस फैसले से खुद लवलीना भी हैरान हैं। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, यह मेरे लिए बिल्कुल नई जानकारी है। यह काफी चौंकाने वाली है। मुझे लगता है कि मुझे 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा क्योंकि मेरे लिए 80 किग्रा से अधिक तक जाना मुश्किल होगा।

भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का अधिकार मिलने का भरोसा-खेल मंत्री मांडविया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

खेल मंत्री मनसुख मांडविया को भरोसा है कि कनाडा और नाइजीरिया के बोली लगाने में रुचि दिखाने के बावजूद भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का अधिकार हासिल कर लेगा। कनाडा और नाइजीरिया दोनों ने 31 मार्च की समय सीमा पूरी होने से पहले मेजबानी में दिलचस्पी (ईओआई) की प्रस्तुति पेश की।

मांडविया ने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि कनाडा और नाइजीरिया ने रुचि दिखाई है, लेकिन हमें विश्वास है कि भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलेगी। बढ़ती लागत के कारण ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया द्वारा राष्ट्रमंडल खेलों से हटने के बाद से ही इन खेलों को मेजबान देश मिलने में संघर्ष करना पड़ रहा है। विक्टोरिया की जगह ग्लासगो अगले साल के टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए आगे आया जिसमें मुक्केबाजी, कुश्ती, हॉकी, क्रिकेट, बैडमिंटन और निशानेबाजी शामिल नहीं होंगे। अगर भारत को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलती है तो यह खेल समुदाय को यह दिखाने की दिशा में अच्छा कदम होगा कि वह 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने में सक्षम है। मांडविया ने यह भी कहा कि इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ सलाह मश्विरा जारी है और जून में नई आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री के कार्यभार संभालने के बाद भारत अपनी प्रस्तुति देने के लिए तैयार है।

धोनी सीएसके के कप्तान होंगे: गायकवाड इंजरी के कारण आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

एमएस धोनी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी करते नजर आएंगे। टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड इंजरी के कारण आईपीएल के 18वें सीजन से बाहर हो गए हैं। यह जानकारी टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दी। सीएसके ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी गायकवाड की इंजरी के बारे में बताया। गायकवाड की कप्तानी में सीएसके बहुत खराब दौर से भी गुजर रही है। टीम पिछले सीजन प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी और अब शुरुआती 5 मैचों में से 4 हार चुकी है। टीम फिलहाल 10 टीमों में 9वें नंबर पर हैं।

फ्लेमिंग बोले, टीम में रिप्लेसमेंट के ऑप्शन कम

कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा, जहां तक रिप्लेसमेंट की बात है तो हमारे पास टीम में कुछ ही विकल्प हैं। हमने अभी तक किसी पर फैसला नहीं किया है। धोनी कमान संभालने के लिए तैयार थे। इसलिए उन्हीं का नाम फाइनल किया गया। गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान गायकवाड को तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे की गेंद कोहनी पर लगी थी। उन्होंने मैच में अर्धशतक जरूर जड़ा था, लेकिन चेन्नई मुकाबला हार गई थी। गायकवाड ने मैच के बाद कुछ दिन ट्रेनिंग नहीं की थी। अब वे टूर्नामेंट से बाहर ही हो गए।

धोनी की फिटनेस को लेकर फ्लेमिंग ने दिया था बयान

चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच ने धोनी की फिटनेस को लेकर अपडेट दिया था। उन्होंने बताया कि धोनी के घुटने पहले जैसे नहीं रहे और इसी वजह से वे 10 ओवर तक लगातार भाग कर बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसी कारण मुकाबले के अनुसार उनकी बैटिंग पोजिशन का फैसला किया जाता है। 100 से ज्यादा आईपीएल मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान धोनी ने 2023 तक आईपीएल में कप्तानी करने के बाद ऋतुराज गायकवाड को जिम्मेदारी सौंप दी थी। इसी सीजन उन्होंने टीम को आखिरी बार चैंपियन भी बनवाया था। धोनी ने 226 मैचों में कप्तानी की और 133 में टीम को जीत दिलाई। वे कप्तानी करते हुए 100 से ज्यादा आईपीएल मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान हैं। उनके बाद रोहित शर्मा ने 158 मैचों में कप्तानी की, उन्होंने 87 मैचों में टीम को जीत दिलाई।

बीसीसीआई ने धीमी ओवर गति के लिए सैमसन पर लगाया जुर्माना

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर 24 लाख का जुर्माना लगाया है। सैमसन पर ये जुर्माना अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। इस मैच में रॉयल्स को 58 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। आईपीएल 2025 में यह दूसरी बार है जब राजस्थान की टीम ने आचारसंहिता का उल्लंघन किया है। इस कारण राजस्थान की अंतिम ग्यारह में शामिल सभी खिलाड़ियों पर 6 लाख या 25 फीसदी मैच फीस जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया है। इस सत्र में इससे पहले राजस्थान रॉयल्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया था। उस मैच में कप्तानी कर रहे रियान पराग पर 12 लाख रुपए जुर्माना लगा था।

जूनियर विश्व कप हॉकी में अच्छा प्रदर्शन करना है लक्ष्य : राणा

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा का लक्ष्य जूनियर विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना है। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम की ओर से सफल पदार्पण से भी साक्षी के हौंसले बुलंद हैं। जूनियर विश्वकप इस साल के अंत में चिली में होगा। साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में ही गोल किया था जबकि भारतीय टीम ये मुकाबला 3-4 से हार गयी थी। साक्षी ने कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी इसलिए टीम में जगह पाकर उत्साहित हूं। मैं मैच से पहले दबाव में नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन कर कहा था कि निडर होकर खेलना। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य पहले मैच में गोल करने का था। मैने जब गेंद पाई तो देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है। मैने शॉट लगाया और गोल हो गया। साक्षी ने कहा, 'मैने हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेला तो मुझे पता चला कि रफ्तार कितनी जरुरी है। मुझे फॉरवर्ड पंक्ति में होने के कारण मैदान पर अपनी रफ्तार अधिक से अधिक बढ़ानी होगी। इसलिए अब मैं इसी पर काम कर रही हूं। साक्षी पिछले साल जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम में भी शामिल थी।

अब आप भी बन सकते हैं

ग्लोबल रिपोर्टर

अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें

7999509078

ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज अब IPTV पर भी

बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें

www.globalheraldtv.com

ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD

न्यूज पेपर न्यूज चैनल वेब टीवी

globalheraldeditor@gmail.com

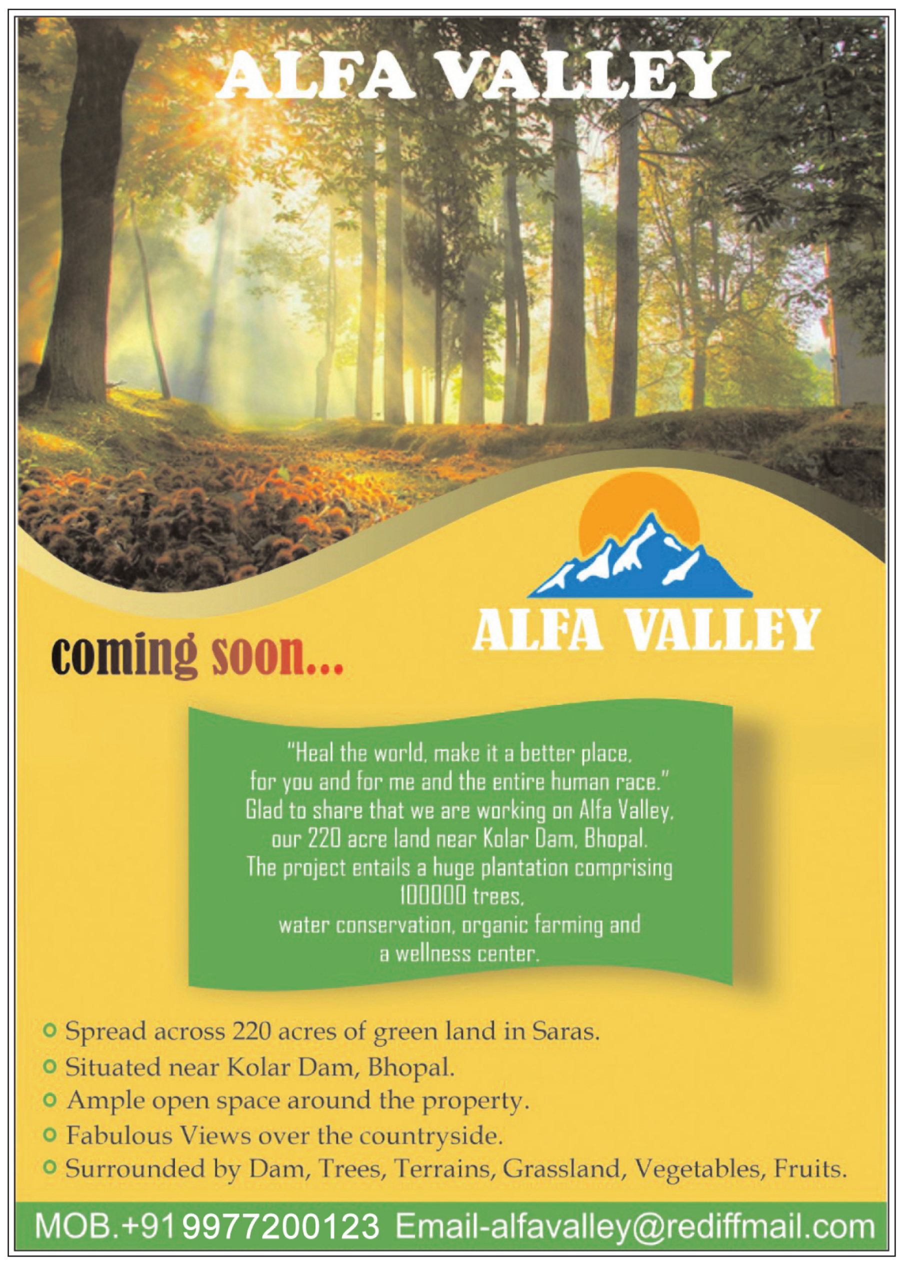

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com